राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 17 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-178 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्ते शाह की दरगाह की छत गिरी, 6 लोगों की मौत, 4 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार दोपहर को हुमायूं के मकबरे के पास मौजूद पत्ते शाह की दरगाह की छत और दीवार गिर गई। इस हादसे में 10 लोग मलबे में दब गए जिसमें से 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं चार घायलों का एम्स के ट्रॉमा सेंटर और एक का आरएमएल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, मृतकों में 56 वर्षीय मीना अरोड़ा, 24 वर्षीय मोनुष्का अरोड़ा, 40 वर्षीय अनीता सैनी, 35 वर्षीय मोइनुद्दीन, 79 वर्षीय स्वरूप चंद और आरिफ शामिल हैं। घायलों में शमीम, आर्यन, रशद परवीन, गुड़िया परवीन और रानी का नाम शामिल है, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। दरगाह से जुड़े लोगों के अनुसार, मौलवी के लिए बने ये कमरे करीब 50 साल पुराने थे। दीवारें और छत मिट्टी व ईंट से बनी थी। लगभग 25 साल पहले इनके पुनर्निर्माण की कोशिश की गई, लेकिन एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने रोक लगा दी, क्योंकि यह हुमायूं टॉम्ब के संरक्षित क्षेत्र के भीतर आता था। तब से इनमें कोई बड़ी मरम्मत नहीं हुई, जिससे संरचना बेहद कमजोर हो गई थी। संयुक्त पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी रेंज) एसके जैन ने बताया कि पुलिस ने दरगाह के संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज जब्त कर लिए गए हैं। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के डीएम ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह हिस्सा अतिक्रमण हो सकता है। जांच में पुष्टि होने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। एसआईटी ने स्पेशल कोर्ट में ज्योति मल्होत्रा कि खिलाफ यह चार्जशीट दाखिल की है। 2500 पन्नों की चार्जशीट में एसआईटी ने ज्योति मल्होत्रा पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। ये चार्जशीट 14 अगस्त को एसआईटी ने दी है। ज्योति मल्होत्रा अभी जेल में बंद हैं। बीते दिनों हाई कोर्ट ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पुलिस का दावा है कि 3 महीने की कड़ी मेहनत और कई सबूत जुटाकर यह रिपोर्ट तैयार की है।

उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के भवन का छज्जा गिरने से एक बच्ची की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के भवन का छज्जा गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गई। यह घटना पाथरपाड़ी गांव में हुई। यह घटना स्वतंत्रता दिवस पर पाथरपाड़ी गांव के पीएमश्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में हुई। स्कूल की इमारत जर्जर होने के कारण उसका निर्माण कार्य चल रहा था। पुलिस के अनुसार, घटना के समय दो बच्चियां स्कूल के पास बकरियां चरा रही थीं। तभी अचानक निर्माणाधीन भवन का छज्जा गिर गया, इसके मलबे में दबने से 12 वर्षीय मोली की मौत हो गई और 11 वर्षीय पायल घायल हो गई। घायल पायल को इलाज के लिए गुजरात ले जाया गया है। इस दुखद घटना के बाद, शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर दो कर्मियों को निलंबित किया है। निलंबित किए गए कर्मियों में कार्यवाहक सहायक अभियंता हेमसिंह और एक संविदा पर कार्यरत सिविल कंसल्टेंट शामिल हैं। इन दोनों को कार्य में प्रथम दृष्टया लापरवाही का दोषी माना गया है। इसके अलावा, शिक्षा विभाग ने निर्माण कार्य से संबंधित कंपनी के खिलाफ प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन पर निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि दोनों बच्चियां स्कूल की छात्राएं नहीं थीं और निर्माणाधीन भवन में कोई कक्षाएं संचालित नहीं हो रही थीं। स्कूल का संचालन अन्यत्र हो रहा था।

एयर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

ग्वालियर (एजेंसी)। एयर इण्डिया की फ्लाइट से एक बार फिर तकनीकी खराबी सामने आई है। बैंगलोर से ग्वालियर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट की तकनीकी खामी की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग की गई। लैंडिंग के दौरान कुछ ही मिनट में फ्लाइट ने कई बार झटके लिए। जिसके कारण दूसरी कोशिश में फ्लाइट की लैंडिंग हो पाई। इस दौरान घबराए यात्रियों ने एयरपोर्ट पर नाराजगी जाहिर करते हुए आरोप लगाया कि एयर इंडिया की खराब सर्विस के कारण यात्रियों की जान जोखिम में आ गयी थी। यात्रियों के मुताबिक, जैसे ही फ्लाइट लैंडिंग कर रही थी। अचानक जोरदार झटका लगा और सभी यात्री घबरा गए। पायलट ने पहले फ्लाइट को लैंड करने की कोशिश की। लेकिन तकनीकी समस्या के कारण लेंडिंग नही हो सकी। इसके बाद फ्लाइट को दोबारा लैंड कराने की कोशिश की गई।

हत्या के आरोपी मोहम्मद दिलशाद को 26 साल बाद गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 1999 में सऊदी अरब में एक व्यक्ति की हत्या के आरोपी मोहम्मद दिलशाद को 26 साल बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) से गिरफ्तार किया है। दरअसल अक्टूबर 1999 में, दिलशाद ने सऊदी अरब में अपने एक साथी की हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद, वह भारत भाग आया। गिरफ्तारी से बचने के लिए, दिलशाद ने अपनी पहचान बदल ली और एक नया पासपोर्ट बनवा लिया। इसी नई पहचान के दम पर वह लगातार कुवैत और सऊदी अरब की यात्रा कर रहा था। इसके बाद सऊदी अरब के अनुरोध पर, सीबीआई ने अप्रैल 2022 में मामला दर्ज किया। जांच के दौरान, सीबीआई ने दिलशाद के नए पासपोर्ट और उसकी बदली हुई पहचान का पता लगाया। इसके बाद, उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया। 11 अगस्त को, दिलशाद को सऊदी अरब के मदीना से जेद्दा होते हुए वापस भारत आने पर आईजीआई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का लिखित जबाव... इस तरह की समयसीमा तय करने से संवैधानिक संकट पैदा होगा

-विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा तय करने का मामला

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। राष्ट्रपति और राज्यपाल के विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा तय करने को लेकर केंद्र ने सुप्रीम आदेश पर आपत्ति जाहिर की है। इसी साल अप्रैल में दो जजों की बेंच ने कहा था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को विधेयकों पर एक तय समयसीमा के अंदर ही फैसला लेना चाहिए। दो जजों की बेंच ने कहा था कि किसी बिल पर फैसला लेने के लिए राष्ट्रपति को तीन माह और राज्यपालों को एक माह से ज्यादा का समय नहीं मिलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता हैं, तब कोर्ट दखल दे सकता है। वहीं मामले पर केंद्र का कहना है कि अगर इस तरह से सुप्रीम कोर्ट दखल देता है, तब संवैधानिक अराजकता पैदा होगी।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में लिखित में जबाव देकर कहा है कि इस तरह की समयसीमा तय करने से संवैधानिक संकट पैदा होगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब देकर कहा कि आर्टिकल 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को जो विशेष शक्तियां दी गई हैं, उसमें संविधान में संशोधन या फिर कानून निर्माताओं को हराने की मंशा से कदम उठाने का अधिकार नहीं मिला है। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि इस तरह से राज्यपाल जैसे पद की गरिमा को कम नहीं कर सकते है।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल या फिर राष्ट्रपति का पद लोकतांत्रिक व्यवस्था के शीर्ष पद पर हैं।

अगर किसी तरह की परेशानी होती है, तब इस मामले को राजनीतिक और संवैधानिक तरीके से हैंडल किया जाएगा। इसमें न्यायपालिका का हस्तक्षेप उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 200 के तहत राज्यपाल के पास अधिकार है कि वे विधेयकों को मंजूरी दे सकते हैं या फिर राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं।

तमिलनाडु को लेकर सुनवाई करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 08 अप्रैल को फैसला देकर कहा था कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को भी बिल को मंजूरी देने को लेकर समयसीमा का पालन करना चाहिए। इसके बाद राष्ट्रपति कि ओर से प्रेसिडेंशियल रेफेरेंस भेजा गया जिसपर 12 अगस्त तक सभी पक्षों को लिखित जवाब देना था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भेजकर सुप्रीम कोर्ट से कुल 14 सवाल किए थे।

अब सुप्रीम कोर्ट के एक संवैधानिक पीठ 19 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी जिसमें सीजेआई बीआर गवई भी शामिल होने वाले है। कोर्ट का कहना है कि दोनों पक्षों को बहस के लिए चार-चार दिन का मौका दिया जाएगा और 10 सितंबर तक सुनवाई पूरी होगी। सुनवाई की सुविधा के लिए दोनों को लिए सुप्रीम कोर्ट ने नोडल वकील नियुक्त कर दिया है। कपिल सिब्बल की तरफ से मिशा रोहतगी नोडल वकील होंगी। वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहती की तरफ से अमन मेहता नोडल वकील बनाया गया।

राहुल गांधी 17 से शुरु करेंगे वोटर अधिकार यात्रा, 1 सितंबर को पटना में होगा समापन

पटना(एजेंसी)। लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए बिहार के लोगों को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि मैं 17 अगस्त से बिहार में हैं और यहां के मतदाताओं के अधिकार के लिए उनके साथ खड़ा हूं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि 17 अगस्त से बिहार में हूं, आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने और आपके मताधिकार के लिए कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने को तैयार हूं। बिहार को जोड़ती हुई 16 दिन और 1300 किलोमीटर की वोटर अधिकार यात्रा, साथ आएं, हाथ बटाएं। ये भारत के लोकतंत्र और आपके पहले संवैधानिक हक को बचाने की लड़ाई है। बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का विरोध हो रहा है। इसे लेकर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा निकलेगी। यह यात्रा 17 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक चलेगी। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को सासाराम, रोहतास से निकलेगी, जो 18 अगस्त को देव दोह, अंबा-कुटुंबा और 19 को हनुमान मंदिर, पूनामा, वजीरगंज पहुंचेगी। 20 अगस्त को एक दिन के ब्रेक के बाद 21 अगस्त को तीज मोहाली दुर्गा मंदिर, शेखपुरा से फिर यात्रा निकलेगी, जो 22 अगस्त को चंदन बाग चौक, मुंगेर, 23 अगस्त को कुर्मला चौक, बरारी, कटिहार और 24 अगस्त को खुश्कीवान, कटिहार से पूर्णिया पहुंचेगी। 25 अगस्त को एक दिन ब्रेक के बाद फिर यात्रा 26 अगस्त को हुसैन पौक, सुपौल से निकलेगी, जो 27 अगस्त को गंगवारा महावीर स्थान, दरभंगा, 28 अगस्त को रीगा रोड, सीतामढ़ी, 29 अगस्त को हरिवाटिका गांधी चौक, बेतिया और 30 अगस्त को एकमा चौक, एकमा विधानसभा, छपरा पहुंचेगी। 31 अगस्त को फिर ब्रेक और फिर 1 सितंबर को पटना के गांधी मैदान में यात्रा समाप्त हो जाएगी।

राज्य में किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने का अधिकार नहीं: सीएम सैनी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की चेतावनी दी है। शनिवार को चंडीगढ़ में उन्होंने अपराधियों को चेताया और कहा कि किसी को भी कानून व्यवस्था खराब करने का अधिकार नहीं है। भिवानी में एक महिला शिक्षिका की हत्या के मामले पर सीएम सैनी ने कहा कि लोगों को सुरक्षित माहौल देना सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि किसी के पास कानून व्यवस्था को खराब करने का अधिकार नहीं है। इसलिए सभी लोग आराम से रहें।

सीएम सैनी ने कहा कि कोई कितना भी बड़ा व्यक्ति हो, अगर कानून के खिलाफ काम करेगा तो वह बचेगा नहीं। यह सरकार का साफ संदेश है। सीएम सैनी ने जन्माष्टमी पर्व पर कहा कि श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव है। वह एक गरीब व्यक्ति को उठाकर अपनी छाती से लगाते थे। पीएम मोदी भी गरीब व्यक्ति को उठाकर छाती से लगा रहे हैं। उन्होंने नशे के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की बात कही।

सैनी ने हरियाणा की जनता से कहा कि आप अपने आसपास नशे में संलिप्त लोगों और नशा बेचने वालों की शिकायत करें, इस

पर कड़ी कार्रवाई होगी। इस दौरान सीएम सैनी ने कांग्रेस पार्टी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को कमजोर करने का काम किया है। देश उस गति से नहीं बढ़ पाया, जो सपना हमारे क्रांतिकारी वीरों का था। 15 अगस्त को 79वां जन्मदिन मनाया गया। हमने उन शहीदों को याद किया, जिनके कारण हम आजाद भारत में रह रहे हैं। कांग्रेस ने कभी उनके सम्मान के अनुरूप काम नहीं किया। आयुष्मान योजना को लेकर उन्होंने कहा कि बातचीत चल रही है, लेकिन हम जल्द ही जिला स्तर पर ऐसे अस्पताल बनाएंगे, जिनमें सबसे अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

विदेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या बांग्लादेशी के नाम काटे जा रहे... राहुल गांधी और तेजस्वी को इतना दर्द क्यों

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने उठाए सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार में गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) पर जारी सियासी घमासान के बीच केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर निशाना साधकर कई सवालों के जवाब पूछे हैं। सांसद राय ने पूछा कि क्या विदेशी घुसपैठियों को, रोहिंग्या बांग्लादेशी को देश के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने का अधिकार है? अगर शामिल होने का अधिकार है, तब इसका जवाब दें कि क्यों और किस लिए? एसआईआर के माध्यम से विदेशी घुसपैठियों के वोट को काटा जा रहा है, तब इसका विरोध क्यों? बिहार के 13 करोड़ जनता और देश के 140 करोड़ नागरिक इसका जवाब चाहते हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने लिखा कि तेजस्वी यादव, नेता प्रतिपक्ष बिहार आपसे विनम्र अनुरोध है कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बिहार के लोगों को गुमराह करने की आप

कोशिश ना करें। बिहार की जनता आपकी हकीकत को भली भांति जानती है। आप जिस लोकतंत्र की बात करते हैं इसका गवाह बिहार के 13 करोड़ लोग हैं। आपके पिता लालू यादव ने किस तरह लोकतंत्र के नाम पर, चुनाव के नाम पर मत पेटियों को लूटवाने का काम करते थे वह पूरा बिहार इस बात को जानता है।

उन्होंने लिखा कि आप राहुल गांधी के साथ वोट अधिकार यात्रा निकालिए लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है लेकिन मैं राहुल गांधी से पूरा देश ये जानना चाहता है कि कृपया करके यह बताएं कि 1951 -52 यानी देश में जो पहला चुनाव हुआ था उस समय से लेकर कांग्रेस के शासनकाल में जो भी चुनाव हुए हैं उसमें किस तरह से धांधली हुई है किस तरह से वोट चोरी हुई है उसके बारे में भी वोट अधिकार यात्रा के दौरान जरूर बताएं।

नित्यानंद राय ने पत्र लिखकर कांग्रेस और आरजेडी के शासनकाल पर सवाल उठाए हैं। साथ ही राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर एसआईआर को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाया है।

बिहार में उद्योग नीतीश दे रहे बड़ा पैकेज, मुफ्त जमीन और सब्सिडी, जीएसटी में भी छूट

पटना (एजेंसी)। बिहार हमेशा ही बेरोजगारी का गढ़ रहा है। यही कारण है कि देश और दुनिया हर एक कौने में बिहारी बाबू मिल ही जाएंगे। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उद्यमी और कारोबारियों के लिए स्पेशल पैकेज लेकर आए है। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पटना के गांधी मैदान से इसकी घोषणा की। अब शनिवार को उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी विस्तृत जानकारी दी है। इसके तहत बिहार में नए उद्योग लगाने वालों को अगले 6 महीने तक विशेष सुविधा दी जाएंगी। इनमें कैपिटल सब्सिडी, ब्याज एवं जीएसटी में छूट, मुफ्त जमीन जैसी कई सुविधाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि साल 2020 में सात निश्चय-2 के तहत की गई घोषणा के क्रम में सरकार ने 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार देने के लक्ष्य को पूरा कर लिया है। अब सरकार ने अगले 5 सालों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा

है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी और जीएसटी के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को दोगुना किया जाएगा। साथ ही उद्योग लगाने के लिए सभी जिलों में जमीन की व्यवस्था की जाएगी तथा ज्यादा रोजगार देने वाले उद्योगों को मुफ्त में जमीन भी मिलेगी। यही नहीं जो लोग उद्योग लगाएंगे उनके भूमि से जुड़े विवादों को भी समाप्त किया जाएगा।यह सारी सुविधाएं अगले 6 महीने में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को दी जाएंगी।सीएम नीतीश ने कहा कि इनके अलावा कई और प्रावधान भी किए गए हैं, जिनसे राज्य में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को काफी मदद मिलेगी। इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी।

नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन का निधन, राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया

चेन्नई (एजेंसी)। नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन का चेन्नई के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने उनके निधन पर शोक जताया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन के निधन से दुखी हूं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य और मणिपुर व पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया।

पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन के निधन से दुःख हुआ। उन्हें एक समर्पित राष्ट्रवादी के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने अपना जीवन सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने तमिलनाडु में भाजपा का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत की। तमिल संस्कृति के प्रति भी उनका गहरा लगाव था। मेरी

संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन के निधन से अत्यंत दुःख हुआ। तमिलनाडु के भाजपा नेता गणेशन ने आपातकाल के दौरान राष्ट्र के लिए बहुमूल्य योगदान दिया। उन्हें पार्टी के विस्तार, विचारधारा के प्रसार और राज्यपाल के रूप में जनता की सेवा के प्रति समर्पण के लिए याद किया जाएगा। मैं उनके निधन पर उनके अनुयायियों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल। गणेशन के निधन से अत्यंत दुखी हूं। उन्होंने जनता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम किया और तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण और सेवा को सदैव याद रखा जाएगा। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक संवेदना। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन के निधन से दुखी हूं। एक समर्पित राष्ट्रवादी नेता के तौर पर उन्होंने अपना जीवन जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया।

पुतिन ने ट्रंप से अंग्रेजी में कहा- 'नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को' इस वाक्य पर दुनिया में होने लगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को' कहते हुए अंग्रेजी में न्यौता दिया। पुतिन आमतौर पर रूसी भाषा बोलते हैं और भाषणों में दुभाषियों का सहारा लेते हैं। ऐसे में उनका अंग्रेजी का इस्तेमाल अचानक से सुर्खियों में आ गया। यह छोटा-सा वाक्य केवल निमंत्रण नहीं था, बल्कि राजनीति के पन्नों में दर्ज होने वाला पल था। एक तरफ पुतिन का अंग्रेजी बोलना, दूसरी तरफ ट्रंप का सहज अंदाज, इन 2 बातों नेइंटरनेशनल मीडिया को खूब मसाला दिया। लोग यह जानने को उत्सुक हो गए कि आखिर पुतिन कितनी भाषाएं जानते हैं और क्या वे वास्तव में अंग्रेजी बोलते हैं या सिर्फ फॉर्मेलिटी निभाते हैं?

बता दें कि रूस और अमेरिका की राजनीति अक्सर सुर्खियों में रहती है। कभी हथियारों की होड़, कभी यूक्रेन पर टकराव और कभी व्यक्तिगत बयान। हर बार दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच मुलाकातें चर्चा का विषय बन जाती हैं। हाल में भी ऐसा ही हुआ। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मातृभाषा रूसी है। इसलिए वे स्वाभाविक रूप से इसमें पूरी तरह पारंगत हैं। इसके अलावा पुतिन जर्मन भाषा भी धाराप्रवाह बोल लेते हैं। दरअसल, 1980 के दशक में केजीबी अधिकारी के तौर पर वह ड्रेसडेन (पूर्वी जर्मनी) में तैनात रह चुके हैं। वहां रहकर उन्होंने जर्मन को इतनी अच्छी तरह सीखा कि वे आज भी जर्मन पत्रकारों के साथ डायरेक्ट बातचीत कर सकते हैं। अंग्रेजी की बात करें तो पुतिन इसे समझने में काफी सक्षम हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि वे कई बार दुभाषियों तक को सुधार देते हैं। पुतिन औपचारिक मंचों पर अंग्रेजी का प्रयोग कम करते हैं और अक्सर अनुवादक पर निर्भर रहते हैं। लेकिन इनफॉर्मल पलों में पुतिन अंग्रेजी बोलकर माहौल को सहज बनाने की कोशिश करते हैं। पुतिन का ट्रंप से नेक्स टाइम इन मॉस्को कहना एक हल्की-फुल्की दोस्ताना टिप्पणी हो सकती है। उन्हें डायरेक्ट कनेक्शन यानी बिना दुभाषिए के सीधे अपना संदेश देना ज्यादा प्रभावी लगा होगा। साथ ही उन्होंने पूरी दुनिया को अपनी एक और स्किल- यानी अंग्रेजी भाषा पर पकड़ की झलक भी दिखा दी। ट्रंप की बात करें तो मामला बिल्कुल साफ है। वे केवल अंग्रेजी भाषा जानते हैं और इसी में सहज रहते हैं। न तो वे दूसरी भाषाओं में बातचीत करते हैं और न ही किसी इंटरव्यू में इसका दावा करते हैं। हां, कभी-कभी मजाक में उन्होंने कहा है कि उन्हें कुछ शब्द स्पेनिश या फ्रेंच के आते हैं, लेकिन उन्होंने ज्ञान के तौर पर इसकी आजमाइश अभी तक नहीं की है। इसका मतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भाषाई मामले में पुतिन से पीछे हैं। उनका दायरा अंग्रेजी भाषा तक ही सीमित है।

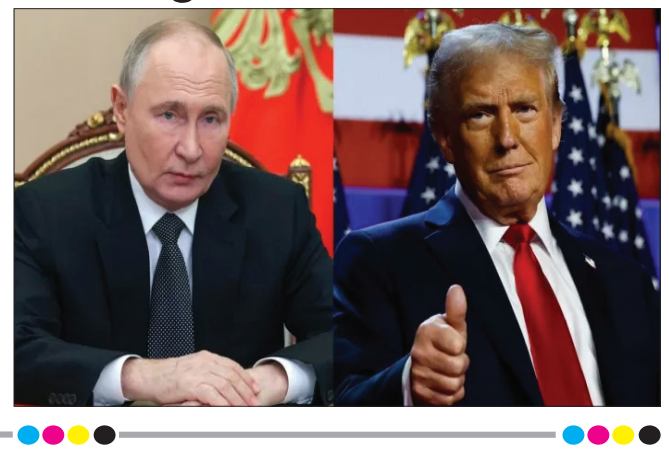

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री का स्वाधीनता दिवस संबोधन- मजबूत भारत, बुलंद इरादे

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने तय 2030 तक क्लीन एनर्जी में 50 प्रतिशत लक्ष्य 5 साल पहले ही हासिल करना हमारी प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता है। नेशनल क्रिटिकल मिशन लॉन्च कर 1200 से अधिक स्थानों पर खोज अभियान से हम क्रिटिकल मिनरल में भी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। युवाओं का आव्हान किया कि क्या हमारे अपना मेड इन इंडिया फाइटर जेट्स खातिर जेट इंजन भी हमारे हों? हम फार्मा ऑफ द वर्ल्ड हैं। अब समय की मांग नहीं कि हम रिसर्च और डेवलपमेंट मां और ताकत लगाएं। हमारे अपने पेटेंट हों। मानव कल्याण हेतु सस्ती, सबसे कारगर नई-नई दवाइयों पर शोध हो। संकट में बिना साइड इफेक्ट के जन कल्याण में काम आए।

(लेखक- -ऋतुपर्ण दवे)

लालकिले की प्राचीर से लगातार 12वीं बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वाधीनता दिवस का इस बार का संबोधन कुछ अलग और कई संकेतों से भरा था। उनका 103 मिनट का भाषण न केवल अब तक का सबसे बड़ा बल्कि सख्त और साफ इरादों को दर्शाने वाला था। यह कूटनीति लिहाज से भी गहरे मायनों से भरा था। जहां एक ओर शुरुआत में ही धारा 370 को हटाकर, एक देश एक संविधान की बात कही। वहीं ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए सेना को खुली छूट देने का सच भी सामने रखा। दरअसल प्रधानमंत्री का यह संबोधन कई मायनों में बेहद अलग, सख्त और दुनिया के लिए कूटनीतिक बयानों जैसा था। साथ ही साथ देश में भी घट रही अस्वीकार्य घटनाओं से निपटने की चेतावनी भी। इसके अलावा देश की तरक्की, युवाओं को प्रोत्साहन, उपब्धियों और दुनिया के महत्वपूर्ण मिशन में भारतीय योगदान पर भी केन्द्रित था। प्रधानमंत्री ने शायद ही ऐसा कोई विषय छोड़ा हो जो जरूरी न हो। इतना ही नहीं इशारों ही इशारों में जहां अमेरिका और चीन को उसकी हैसियत बताई वहीं खुलेआम पाकिस्तान को भी लताड़ लगाई।

पहले जानते हैं कि उन्होने क्या-क्या कहा। पहलगाम हमले पर पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उनके आतंकी हेडक्वार्टर्स को मिट्टी में मिलाने का जिक्र कर पाकिस्तान की नींद गायब होने की भी बात कही। लंबे समय से चल रहे न्यूक्लियर ब्लैकमेल को नहीं सहने और सेना की शर्तों पर मुंह तोड़ जवाब देने की बात भी कही। पुराने सिंधु जल समझौते को अन्याय पूर्ण बताया और कहा कि भारत की नदियां दुश्मनों के खेत सींचे और देश के किसान की धरती प्यासी रहे? सिंधु समझौते के उस स्वरूप को आगे नहीं सहा जाएगा। 21वीं सदी टेक्नोलॉजी ड्रिवन सेंचुरी है। 50-60 साल पहले सेमीकंडक्टर पर विचार हुआ। लेकिन फाइलें वहीं अटक गईं। सेमीकंडक्टर के विचार की भ्रूण हत्या हो गई। बाद में कई देश सेमीकंडक्टर में महारत हासिल कर दुनिया को अपनी ताकत को दिखा रहे हैं। मिशन मोड में इस काम को आगे बढ़ाने तथा 6 अलग-अलग सेमीकंडक्टर यूनिट्स लगाने जिसमें चार की स्वीकृति की जानकारी दी। वर्ष के अंत तक मेड इन इंडिया यानी भारत की बनी हुईं चिप्स बाजार में होना बड़ी उपलब्धि होगी। प्रधानमंत्री ने अन्य कई योजनाओं, उपलब्धियों की भी चर्चा की। 11 वर्षो में सोलर एनर्जी का उपयोग 30 गुना बढ़ना। नए-नए डैम बना जल शक्ति का विस्तार कर क्लीन एनर्जी की ओर बढ़ना। 10 नए न्यूक्लियर रिएक्टर तेजी से काम करना। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना ताकि देश की आजादी के 100 साल पर हमारी परमाणु ऊर्जा क्षमता 10 गुना से भी अधिक हो।

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने तय 2030 तक क्लीन एनर्जी में 50 प्रतिशत लक्ष्य 5 साल पहले ही हासिल करना हमारी प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता है। नेशनल क्रिटिकल मिशन लॉन्च कर 1200 से अधिक स्थानों पर खोज अभियान से हम क्रिटिकल मिनरल में भी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। युवाओं का आव्हान किया कि क्या हमारे अपना मेड इन इंडिया फाइटर जेट्स खातिर जेट इंजन भी हमारे हों? हम फार्मा ऑफ द वर्ल्ड हैं। अब समय की मांग नहीं कि हम रिसर्च और डेवलपमेंट मां और ताकत लगाएं। हमारे अपने पेटेंट हों। मानव कल्याण हेतु सस्ती, सबसे कारगर नई-नई दवाइयों पर शोध हो। संकट में बिना साइड इफेक्ट के जन कल्याण में काम आए। प्रधानमंत्री ने ईवी बैटरी, सोलर पैनल, महिला स्वसहायता समूह, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद में पहचान के साथ ही नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स के लिए टास्क फोर्स गठन व समय सीमा में काम पूरा करने ताकि वर्तमान नियम, कानून, नीतियां, रीतियां 21वीं सदी के और वैश्विक वातावरण के अनुकूल हो, भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने के संदर्भ में हो। नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स को दिवाली का तोहफा बताते हुए लोगों की जरूरतों पर लग रहे भारी टैक्स को बहुत कम करने से एमएसएमई, लघु उद्यमियों को लाभ मिलने और रोजमर्रा की चीजें बहुत सस्ती होने से

इकॉनामी को नया बल मिलने की बात भी कही। प्रधानमंत्री मोदी ने षड्यंत्र के तहत, सोची समझी साजिश के जरिए देश की डेमोग्राफी को बदलने को नया संकट बताया। घुसपैठिए, देश के नौजवानों का हक छीन रहे हैं, बहन बेटियों को निशाना बना रहे हैं। यह बर्दाश्त नहीं होगा। हमारे पूर्वजों ने त्याग और बलिदान से आजादी पाई है। एक हाई पावर डेमोग्राफी मिशन शुरू करने का निर्णय किया है। जो ऐसे भीषण संकट से निपटने के लिए तय समय में कार्य करेगा, उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं।

इस बार के संबोधन से इतना तो साफ हो गया कि प्रधानमंत्री ने ज्यादा फोकस बजाए दीर्घ कालिक योजनाओं के मौजूदा चुनौतियों और उनसे निपटने के मंसूबों को देश के सामने रखा। ब्लैकमेलिंग नहीं सहने, ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र, स्वदेशी मजबूरी नहीं मजबूती सहित पाकिस्तान को खुलेआम तो अमेरिका को संकेतों में चेताया भी। पहली बार लालकिले से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल की राष्ट्र की सेवा का जिक्र करना और मां भारती के कल्याण का लक्ष्य लेकर सेवा, समर्पण, संगठन और अप्रतिम अनुशासन की चर्चा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को दुनिया का यह सबसे बड़ा एनजीओ है बताना तथा आपातकाल का हवाला भी देने के कई राजनीतिक मायने निकाले जाएंगे।

संभव है कि लोकसभा में आई कम सीटों, आरएसएस से और बेहतर तालमेल, विपक्ष पर पहले के मुकाबले कम हमलावर होने से सहयोगियों को भी ज्यादा सोचने का मौका नहीं देना कोई रणनीति हो। लेकिन डेमोग्रॉफी की चर्चा कर बिहार-बंगाल के आगामी चुनाव साथ ही आपातकाल की याद दिला विरोधियों सहित किन पर निशाना साधा है, देश समझता है। सेना को खुली छूट की बात दोहराना बहुत बड़ा संकेत है कि पाकिस्तान पर हमारी नजरें अभी भी टेढ़ी हैं। राजनीतिक नजरिए से भले ही उनके संबोधन के लोग अलग-अलग मायने निकालें, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12वीं बार सबसे ज्यादा देर, 103 मिनट संबोधित कर, दुनिया को अपने इरादे साफ कर दिए हैं। अब वक्त है पक्ष-विपक्ष का जो उनके भाषण के अपने-अपने, कैसे-कैसे और क्या-क्या मायने निकालता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

संपादकीय

आपदा

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित धराली में आई आपदा ने देश-दुनिया को गहरे तक आहत किया है। मलबे और बाढ़ के पानी के सैलाब ने जिस तरह घरों, होटलों व बगीचों तथा खेत-खलिहानों को तबाह किया, उसने आम लोगों को भयभीत किया। पहाड़ की भौगोलिक जटिलताओं व बचाव के संसाधन पहुंचाने में देरी से राहत कार्य बाधित हुआ है। निस्संदेह, हादसे से जुड़ा पहलू यह भी है कि तंत्र की अनदेखी व खीरगंगा के विस्तार क्षेत्र की आशंकाओं को नजरअंदाज करके जो निर्माण किया गया, वह सैलाब की जद में आया। सवाल यह है कि वे कौन से कारण थे कि बेहद तीव्र वेग से आये सैलाब ने लोगों को भागने तक का मौका नहीं दिया। हालांकि, मरने वालों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आयी है, लेकिन सैलाब की भयावहता को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि जनधन की बड़ी हानि हुई होगी। असली सवाल यह है कि ये आपदा कैसे आयी। आजकल ऐसे हादसों की साधारण व्याख्या होती है कि हादसा बादल फटने से हुआ। लेकिन धराली में आपदा की वजह बादल फटना मानने को वैज्ञानिक तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिक इस वजह से बादल फटने के तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार 4-5 अगस्त को उस क्षेत्र में महज आठ से दस मिमी बारिश ही हुई थी। वैज्ञानिक मानक के अनुसार बादल फटने की घटना तब होती है जब उस इलाके में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई हो। दरअसल, धराली गांव के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। दोनों तरफ ऊंचे व तीव्र ढलान वाले पहाड़ हैं। जिस खीरगंगा में फ्लैश फ्लड आया है, वो उन्हीं घने जंगलों से होकर गुजरती है। वैज्ञानिक एक तर्क पर विचार कर रहे हैं कि कहीं घने जंगलों वाले इलाके में भूस्खलन की वजह से पानी का प्रवाह रुक गया होगा, जिसके बाद अस्थाई झील टूटने से आपदा आई होगी। दरअसल, इस जल प्रलय की जद में आने वाला क्षेत्र फ्लड प्लेन इलाके में बसा है। उसके ऊपर के इलाके में बर्फीले पर्वत बताए जाते हैं। यह हकीकत है कि धराली और उसके आस-पास बेहद संकरी घाटी और ऊंचे पहाड़ हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि बादल फटने के बाद आने वाला जल प्रवाह इतना तेज नहीं होता। पहले इसकी गति धीमी होती है, कालांतर में गति तेज हो जाती है। इसी वजह से वैज्ञानिक तूफानी गति से पानी-मलबा आने की वजह अस्थायी झील का टूटना बता रहे हैं। भूस्खलन या ग्लेशियर टूटने से झील का पानी सैलाब में बदल गया। इस आशंका को मानने की एक वजह यह भी है कि आपदा वाले दिन जो पानी नीचे आया वह काले रंग का था। साथ मलबा स्लेटी रंग का था। तर्क है कि ऐसा काला पानी व स्लेटी रंग का मलबा पहले से जमा हुए स्थान के टूटने के बाद ही आता है। ऐसी ही स्थिति वर्ष 2021 में चमोली जनपद के ऋषिगंगा हादसे के दौरान एक अस्थायी झील टूटने के बाद जमा मलबे के बहकर आने के वक्त देखी गई थी। दरअसल, वैज्ञानिक पहले भी आशंका जताते रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते बढ़ते तापमान की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पिघली बर्फ के पानी से बनी झीलें कालांतर भूस्खलन या बादल फटने के बाद टूट जाती हैं और सैलाब तेज ढलान पर उतरकर तबाही लाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 की केदार घाटी में आई आपदा भी चोराबारी झील के टूटने से निकले सैलाब की वजह से हुई थी। दूसरी विडंबना यह भी है कि ग्लोबल वार्मिंग व बढ़ते तापमान की वजह से ऊंचे पहाड़ों में बारिश की प्रकृति में कुछ वर्षों से बदलाव आया है।

नया आयकर बिल 2025 संसद के दोनों सदनों में पारित-राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से अब कानून बन जायेगा

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर तेज़ी से बदलते परिपेक्ष में अगर तेजी से विकास की रफ्तार पकड़ता है तो, हर देश को अपना इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य परिवहन इत्यादि हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का लाभ लेकर उन्हें आधुनिक बनाना होगा, जिसके लिए पैसे की आवश्यकता होगी जो प्रतिवर्ष बजट के माध्यम से इंतजाम किया जाता है। भारत ने तो इन सभी उपायों पर तेजी से कदम बढ़ाना शुरू कर दिया हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि विज़न 2047 को पूरा करने के लिए आम नागरिकों को आगे आकर टैक्स भरने के लिए जागृत किया जा रहा है, इसके लिए ही आयकर अधिनियम को छोटा व आसन बनाकर 11 अगस्त को लोकसभा में व 12 अगस्त 2025 को राज्यसभा में पारित करवा गया है, जिस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद यह कानून बन जाएगा और 1 अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना व्यक्ति की गई है।मेरी केंद्र व राज्य सरकारों से इस आर्टिकल के माध्यम से अपील व सुझाव है कि करों की प्रक्रिया व शर्तों को आसान बनाकर टैक्स देनें वालों की संख्या में वृद्धि तो होगी परंतु वह अधिक मात्रा में आया हुआ टैक्स अगर रेवड़ियां बांटने में निकल जाता है तो, विकास की रफ्तार को ढीला कर देता है इसलिए रेवड़ियां बांटने पर लगाम लगाने के लिए 31 अगस्त 2025 तक चलने वाले इस मानसून सत्र में ही बिल बनाकर निचले व ऊपरी सदन में ध्वनि मत से या फिर इसी तरह 3-4 मिनट में ही पारित करा लिया जाता है तो कर दाताओं की मेहनत से कमाई गाड़ी कमाई रेवड़िया बांटने में नहीं जाएगी।चूँकि 64 वर्षों पुराना आयकर अधिनियम 1961 को अब अनायस शब्दों धाराओं अध्यायों को हटाकर अब छोटा व आसान बनाया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे नया आयकर बिल 2025 संसद के दोनों सदनों में पारित- राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से अब कानून बन जाएगा- करोड़ों करदाताओं पर होगा सीधा असर!

साथियों बात अगर हम नए आयकर विधेयक 2025 को पारित करने की पूरी थियोरी की करें तो,केंद्रीय वित्त मंत्री ने पिछले हफ्ते लोकसभा से आयकर विधेयक, 2025 के पुराने मसौदे को औपचारिक रूप से वापस ले लिया था इस बिल का अपडेटेड वर्जन आज पेश किया गया था। लोकसभा की प्रवर समितिने लगभग 285 सिफारिशें की थीं और पिछले महीने संसद को 4,500 पन्नों की एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें विधेयक में सुधार का प्रस्ताव दिया गया। बता दें कि मूल विधेयक फरवरी में संसद के बजट सत्र के दौरान पेश किया गया था। विधेयक में मौजूदा कानून के अनावश्यक प्रावधानों और पुरानी भाषा को हटा दिया गया है और 1961 के आयकर अधिनियम में धाराओं की संख्या 819 से घटाकर 536 और अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी गयी है। नए आयकर विधेयक में शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है। विपक्षी सदस्यों की अनुपस्थिति के बीच वित्तमंत्री ने कहा कि ये बदलाव केवल सतही नहीं हैं। ये टैक्स प्रशासन के प्रति नए और सरलीकृत दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। यह अधिक संक्षिप्त और अधिक केंद्रित कानून है, जिसे पढ़ने, समझने और लागू करने में आसानी होगी।कहा जा रहा है कि यह नया इनकम टैक्स बिल 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसे तैयार करने में काफी समय लगा है। इसके साथ ही डिजिटल युग की जरूरतों के अनुसार इसे ढाला गया है। वहीं प्रीवियस ईयर और असेसमेंट ईयर जैसे ऑप्शन को खत्म टैक्स ईयर कॉन्सेप्ट शुरू किया जाएगा।वित्त मंत्री ने कहा कि 1961 का आयकर अधिनियम में दशकों तक संशोधन किया गया। इसमें कई जटिलातएं है। यह काफी पुराना हो गया था।ऐसे में एक नए बिल की जरूरत महसूस की जा रही थी। नए बिल को आधुनिक अर्थव्यवस्था के तहत बनाया गया है। नए कानून में भाषा को सरल बनाया गया है ताकि आम टैक्सपेयर्स इसे आसानी से समझ सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नए कानून में इनकम टैक्स दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। (1) इस नए बिल को 536 धाराओं और 16 अनुसूचियों में व्यवस्थित किया जाएगा, ताकि इसे समझना और पढ़ना दोनों आसान हो।(2) शून्य टीडीएस प्रमाणपत्र की सुविधा मिलेगी। (3) डिविडेंड में कटौती को लेकर सेक्शन 80 एम की फिर से शुरुआत की जाएगी।

(4) आईटीआर फाइल चाहे डेडलाइन के बाद किया हो, लेकिन रिफंड मिलने में परेशानी नहीं होगी। (5) ऐसे सभी क्लास को हटाया जाएगा, जो इसे सपोर्ट नहीं करते (6) ऐसी बिजनेस प्रॉपर्टी जिनकाइस्तेमाल न हो रहा हो या लंबे से खाली हो ,उन पर टैक्स नहीं लिया जाएगा।सहित और भी ऐसे कई प्रावधान हैं,जो करदाताओं के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम इस नए आयकर अधिनियम 2025 को पारित करने में काफी जद्दोजहद की करें तो,बता दें कि साल 2010 में प्रत्यक्ष कर संहिता विधेयक,2010 संसद में पेश किया गया था। इसे जांच के लिए स्थायी समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, 2014 में सरकार बदलने के कारण विधेयक निरस्त हो गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार (7 फरवरी, 2025) को नए इनकम टैक्स बिल को मंजूरी दे दी, यह बिल छह दशक पुराने आईटी अधिनियम की जगह लेगा। नया बिल इनकम टैक्स से जुड़े उन सभी संशोधनों और धाराओं से मुक्त होगा जो अब प्रासंगिक नहीं हैं। साथ ही भाषा ऐसी होगी कि लोग इसे टैक्स एक्सपर्ट की सहायता के बिना समझ सकें। इस बिल में प्रावधान और स्पष्टीकरण या कठिन वाक्य नहीं होंगे।इससेमुकदमेबाजी कम करने में भी मदद मिलेगी और इस तरह विवादित टैक्स डिमांड में कमी आएगी। चूँकि बजट में माननीय वित्तमंत्री ने घोषणा की थी कि एक सप्ताह के भीतर एक नया आयकर अधिनियम 2025 लाया जाएगा, इसलिए ही आज दिनांक 7 फरवरी 2025 को देर रात्रि केंद्रीय वित्तीय कैबिनेट ने आयकर अधिनियम 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड 2025) को मंजूरी दी थी, फ़िर संसदीय स्थाई समिति के पास भेजा गया था द्व नए बिल में संभावित कुछ ऐसे प्रावधान प्रस्तावित है जो कार्यकारी आदेशों के माध्यम से कटौती या छूट की सीमा और राशियों को बदलने की अनुमति देंगे

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका उद्देश्य विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नया आयकर बिल 2025 संसद के दोनों सदनों में पारित- राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से अब कानून बन जायेगा- करोड़ों करदाताओं पर होगा सीधा असर!64 वर्ष पुरानें आयकर अधिनियम 1961 से बहुत छोटा-अनावश्यक शब्दों धाराओं अध्यायों को हटाया गयासंसद में एसआईआर मुद्दे पर हंगामें के बीच,मात्र 3 मिनट में नया आयकर विधेयक 2025, ध्वनिमत से पारित-1 अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है।

रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

विचार मंथन

लोकतंत्र को छोड़ कहीं राजतंत्र की ओर तो नहीं जा रहे हम?

(लेखक- सनत जैन)

लोकतंत्र में नागरिक और सरकार के बीच भरोसा सबसे महत्वपूर्ण आधार होता है। यह भरोसा तभी कायम रह सकता है, जब सरकार नागरिकों की स्वतंत्रता और निजता की रक्षा करे। मतदान के जरिये नागरिक अपने अधिकार निर्वाचित प्रतिनिधि को देता है, निर्वाचित व्यक्ति संसद, विधानसभा एवं स्थानीय संस्थाओं में मतदाताओं के अधिकारों का उपयोग करते हुए नीतियां बनाने के लिए मतदान करता है। अपने मतदाताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए बहुमत के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। हाल के समय में जिस तरह से कानून संसद और अनेक विधानसभाओं में पारित किए जा रहे हैं, वह हल्ले के बीच बिना चर्चा के कानून बना रहे हैं। यह स्थिति 75 वर्षों में सबसे चिंतनीय है। कानून में बदलाव कर सरकार को नागरिकों के निजी डेटा तक बिना अनुमति पहुंचने का अधिकार दिया गया है। उसने मतदाता के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। अब स्थिति यह है, सरकार आपकी अनुमति के बिना आपके ईमेल, सोशल मीडिया अकाउंट, बैंकिंग ऐप, मोबाइल चैट, क्लाउड स्टोरेज और व्यक्तिगत तस्वीरों एवं सभी निजी जानकारी तक सरकार और उसके नुमाइंदे पहुंच सकते हैं। यह केवल तकनीकी निगरानी नहीं है, बल्कि पासवर्ड और एन्क्रिप्शन तोड़ने का अधिकार भी सरकार और उनके अधिकारी, कर्मचारियों को मिल गया है। इसका सीधा मतलब है, नागरिक का निजी जीवन ओर निजता के जो संवेधानिक अधिकार हैं, अब वह सरकार के रहमों-करम पर रहेंगे। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। 2017 में भूता स्वामी बनाम भारत सरकार के ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था, निजता नागरिकों के मौलिक अधिकार में शामिल है। इसके बावजूद, इस तरह का कानून पारित होना न केवल संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नागरिकों के अधिकारों के लिए भी खतरे की घंटी है। इस प्रावधान का दायरा केवल कर चोरी रोकने तक सीमित नहीं रहेगा। इसका राजनीतिक उपयोग कर विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए भी किया जा सकता है। इस अधिकार का दुरूपयोग भ्रष्टचार के लिए होगा। जब सरकार के पास किसी व्यक्ति के वित्तीय लेन-देन, निजी बातचीत और संवेदनशील दस्तावेजों की जानकारी होगी, तो चरित्र हनन और ब्लैकमेल की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी। सामाजिक एवं पारिवारिक अशांति का कारण भी बनेगा। डेटा सुरक्षा के मामले में हमारा रिकॉर्ड पहले ही कमजोर रहा है। 2018 में आधार डेटा लीक, उससे पहले व बाद में कई तरह के डेटा लीक होने की घटनाओं ने यह साबित किया है, कि सरकारी सिस्टम मजबूत नहीं हैं। डेटा लीक होने के बाद लापरवाही के लिए किसी को दंडित नही किया गया है। डेटा को खुलेआम बेचने के भी मामले सामने आये हैं। सरकार और उसकी एजेंसी संवेदनशील जानकारी की पूरी तरह रक्षा कर सकें, इसमें वे सक्षम नहीं हैं। ऐसे में नागरिकों की गोपनीय जानकारी पर असीमित और बिना न्यायिक अनुमति के अधिकार देना नागरिकों के अधिकारों और निजता के लिए एक गंभीर जोखिम हो गया है। संवैधानिक एवं लोकतान्त्रिक स्वतंत्रता केवल वोट देने के अधिकारों का नाम नहीं है। यह व्यक्ति की गरिमा, उसकी निजता और उसके जीवन की स्वायत्तता पर भी लागू है। यदि इन बुनियादी तत्वों को कमजोर किया जाता है, तो नागरिकों की यह आज़ादी धीरे-धीरे एक ऐसे स्वरूप में बदल सकती है। जहां नागरिक सरकार के भरोसे पर नहीं, बल्कि सरकार की मर्जी और कृपा पर जीवन बिताने को विवश होते हैं। इसे ही गुलामी कहा जाता है। वर्तमान में हर नागरिक को इस मुद्दे पर जागरूक और सजग रहना होगा। पहले हम राजा, महराजाओं के उसके बाद मुग़लों, ईस्ट इंडिया कंपनी और अंग्रेजों के गुलाम रहे। स्वतंत्रता

के पश्चात भारत के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के मानव जीवन के जो अधिकार मिले थे, उस पर सरकार का नियंत्रण वैसे ही बढ़ता जा रहा है। जो गुलामी के समय था। अब ऐसा लगने लगा है, मानों हम लोकतंत्र को छोड़कर एक बार फिर राजतंत्र की ओर ले जाए जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएमडब्ल्यू ने बढ़ाई कारों की कीमतें

- 1 सितंबर से लागू होगी नई दरें

मुंबई । जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने 1 सितंबर 2025 से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने विदेशी विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों को इस बढ़ोतरी का कारण बताया है। बीएमडब्ल्यू इलेक्ट्रिक वाहनों समेत लक्जरी कारों और एसयूवी की श्रृंखला बेचती है, जिनमें द्वितीय सीरीज ग्रैन कूप की कीमत लगभग 46.9 लाख रुपए और बीएमडब्ल्यू एक्सएम की कीमत 2.6 करोड़ रुपए है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ विक्रम पावाह ने कहा कि इस वर्ष की पहली छमाही में कंपनी की बिक्री और विकास की गति काफी अच्छी रही, लेकिन बढ़ती लॉजिस्टिक लागत ने मूल्य बढ़ाने पर मजबूर किया। उन्होंने बताया कि आगामी त्योहारों के दौरान कंपनी कई नए मॉडल लॉन्च करेगी, जिससे ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

बेम्को ने शेयरधारकों के लिए स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा

- 22 अगस्त, 2025 को रिकॉर्ड डेट तय

मुंबई । इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी बेम्को हाइड्रोलिक्स लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए दो बड़ी कॉरपोरेट घोषणाएं की हैं। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा करते हुए 22 अगस्त, 2025 को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इस दिन जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, वे इन दोनों लाभों के पात्र होंगे। कंपनी ने अपने शेयरों के स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है, जिसके तहत मौजूदा 10 फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर को 1 फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बदला जाएगा। इसका मतलब यह है कि निवेशकों के शेयरों की संख्या दस गुना बढ़ जाएगी, लेकिन कुल निवेश की रकम में कोई बदलाव नहीं होगा। यह फैसला कंपनी की 1 अगस्त को हुई 67वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद लिया गया। इसके साथ ही, कंपनी ने 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर भी जारी करने का ऐलान किया है। इसका मतलब है कि प्रत्येक शेयरधारक को उसके मौजूदा शेयरों की संख्या के बराबर अतिरिक्त शेयर मुफ्त में मिलेंगे। यह बोनस इश्यू भी एजीएममें मंजूर किया गया है और इसका रिकॉर्ड डेट भी 22 अगस्त है। फिलहाल कंपनी का मार्केट कैप 14 अगस्त तक 619.54 करोड़ है। साथ ही, बेम्को हाइड्रोलिक्स सेबी के एन्हांस्ड सर्विलांस मेजर के तहत है, जिससे कंपनी पर निगरानी बढ़ी हुई है। इस स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू के बाद शेयरधारकों को अधिक शेयर मिलेंगे, जिससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ने की संभावना है। यह कदम कंपनी के शेयरधारकों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

केटीएम की बाइक 160 डूक जल्द देगी दस्तक

नईदिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी केटीएम ने अपनी बहुप्रतीक्षित 160 डूक को आधिकारिक रूप से पेश करने की पुष्टि कर दी है। यह नई बाइक जल्द ही भारतीय बाजार में दस्तक देने वाली है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर इसका टीज़र जारी किया। 160 डूक को केटीएम की 200 डूक के नीचे पोजिशन किया जाएगा, जिससे यह ब्रांड की सबसे किफायती एंट्री-लेवल स्ट्रीटफाइटर बाइक बन जाएगी। इसमें 160सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया जाएगा, जो 200 डूक के प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा। हालांकि, पावर आउटपुट का खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि यह यामाहा एमटी-15 वी2 जैसे प्रतिद्वंद्वियों से ज्यादा दमदार प्रदर्शन देगी। कीमत को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए केटीएम ने इस मॉडल में थर्ड-जेन प्लेटफॉर्म के बजाय सेकंड-जेन 200 डूक का प्लेटफॉर्म चुना है। इससे न केवल निर्माण लागत कम होगी, बल्कि बाइक को व्यापक राइडर बेस के लिए सुलभ बनाया जा सकेगा।

एसएंडपी ने भारत की क्रेडिट रेटिंग बढ़ाकर 'बीबीबी किया

- रेटिंग 19 साल बाद पहली बार सुधारी गई

नई दिल्ली ।

साख निर्धारण एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की क्रेडिट रेटिंग 'बीबीबी- से बढ़ाकर 'बीबीबी कर दी है। यह रेटिंग 19 साल बाद पहली बार सुधारी गई है और इसे स्थिर परिदृश्य के साथ रखा गया है। एजेंसी ने इस सुधार के पीछे मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय मजबूती के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और महंगाई नियंत्रण में बेहतर मौद्रिक नीतियों को प्रमुख कारण बताया है। एसएंडपी ने कहा है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पिछले पांच-छह वर्षों में सरकारी खर्च की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' कहने और भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की घोषणा के बावजूद एसएंडपी ने माना कि अमेरिकी शुल्क का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा, क्योंकि भारत की 60 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि घरेलू खपत पर निर्भर है और व्यापार पर निर्भरता कम है। इस रेटिंग सुधार से भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कर्ज़ लेने में आसानी होगी, जिससे कर्ज़ की लागत कम होगी। एसएंडपी ने यह भी कहा कि सरकार की सतर्क राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां आने वाले 24 महीनों में रेटिंग को और मजबूत बनाएंगी। एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2025-26 तक भारत के सामान्य सरकारी घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 7.3 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत करने का अनुमान लगाया है। एजेंसी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर को भी 6.5 प्रतिशत से बढ़कर अगले तीन वर्षों में औसतन 6.8 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना जताई है। यह रेटिंग सुधार भारत की आर्थिक स्थिरता और विकास के प्रति वैश्विक निवेशकों का विश्वास बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा बैठक अक्टूबर में

नई दिल्ली । भारत और आसियान देशों के बीच चल रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा वार्ता का अगला दौर अक्टूबर 2025 में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित किया जाएगा। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, यह बैठक 6-7 अक्टूबर को होगी और इसकी मेजबानी मलेशिया करेगा। यह समीक्षा आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते को अधिक प्रभावी, सरल और व्यापार के लिए अनुकूल बनाने के उद्देश्य से की जा रही है। समीक्षा के माध्यम से दोनों पक्ष व्यापार प्रक्रिया को बेहतर बनाने, गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने और व्यापार सुविधा को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। आसियान भारत का एक प्रमुख व्यापार भागीदार है, जिसकी हिस्सेदारी भारत के वैश्विक व्यापार में लगभग 11 प्रतिशत है। वर्ष 2024-25 में भारत-आसियान द्विपक्षीय व्यापार 123 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो दोनों पक्षों के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों को दर्शाता है।

अमेरिका में जुलाई में थोक कीमतों में अप्रत्याशित तेजी रही

- फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना प्रभावित हो सकती है

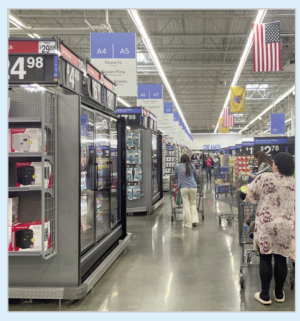

नई दिल्ली। अमेरिका में जुलाई महीने में थोक स्तर पर कीमतों में उम्मीद से कहीं ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स जुलाई में 0.9 फीसदी बढ़ा, जबकि विशेषज्ञों का अनुमान सिर्फ 0.2 फीसदी था। खाद्य और ऊर्जा क्षेत्र को छोड़कर कोर पीपीआई भी 0.9 फीसदी बढ़ा, जो अनुमानित 0.3 फीसदी से काफी अधिक है। वार्षिक आधार पर, हेडलाइन पीपीआई 3.3 फीसद बढ़ी है, जो फरवरी के बाद सबसे बड़ी 12 महीने की वृद्धि है और फेडरल रिजर्व के 2 फीसदी मुद्रास्फीति लक्ष्य से कहीं ऊपर है। इस बढ़ोतरी में सेवाओं की कीमतें मुख्य कारण रही हैं, जो जुलाई में 1.1 फीसदी बढ़ी, मार्च 2022 के बाद सबसे बड़ी मासिक उछाल। व्यापार सेवाओं के मार्जिन भी 2 फीसदी बढ़े, जिसमें मशीनरी और उपकरणों के थोक कारोबार में 3.8 फीसदी की वृद्धि शामिल है। रिपोर्ट के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में वायदा गिर गया, जबकि अल्पावधि ट्रेजरी यील्ड में तेजी आई। इससे बाजार में फेडरल रिजर्व की आगामी नीतियों को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। पहले उम्मीद थी कि सीपीआई के स्थिर रहने से फेड सितंबर में ब्याज दरें घटाएगा, लेकिन अब यह संभावना कमजोर दिख रही है।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार 6 हफ्तों की गिरावट के बाद आई मजबूती

– निवेशकों के मनोबल में सुधार हुआ और बाजार की स्थिरता की उम्मीद बढ़ी

मुंबई ।

पिछले कई हफ्तों से जारी भारी उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार ने इस सप्ताह सकारात्मक रुख अपनाया है। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के कारण बाजार केवल चार दिन खुला, लेकिन इस छोटे कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी ने गिरावट के बाद मजबूती दिखाई है। 6 हफ्तों की लगातार गिरावट के बाद यह बाजार के लिए राहत की खबर है। सोमवार को विदेशी निवेशकों के भरोसे और अमेरिकी बाजारों में तेजी के कारण शुरुआती कारोबार में बाजार हरियाली से रंगा। बीएसई सेंसेक्स 104.84 अंक की बढ़त के साथ 79,962.63 पर खुला और अंततः 746.29 अंकों की जोरदार बढ़त के साथ 80,604.08 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 55.85 अंक की तेजी के साथ 24,419.15 पर खुला और 221.75 अंक ऊपर 24,585.05 पर बंद हुआ। मंगलवार को हालांकि बाजार में उतार-चढ़ाव देखे गए। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 66.28 अंक ऊपर खुला लेकिन अंत में 368.49 अंक गिरकर 80,235.59 पर बंद हुआ। निफ्टी ने भी 42.85 अंक बढ़कर कारोबार शुरू किया, पर अंत में 97.65 अंक गिरावट के साथ 24,487.40 पर बंद हुआ। बुधवार को अमेरिका में स्थिर मुद्रास्फीति के आंकड़ों से वैश्विक बाजारों में तेजी आई, जिसका असर भारत के बाजारों पर भी पड़ा। सेंसेक्स 304.32 अंक की बढ़त के साथ 80,539.91 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 131.95 अंक की तेजी दर्ज की और 24,619.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में सकारात्मक रुख कायम रहा। एचडीएफसी बैंक, टीसीएस जैसे प्रमुख शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को 57.75 अंक बढ़ाकर 80,597.66 पर और निफ्टी को 11.95 अंक ऊपर 24,631.30 पर बंद कराया।

इस तरह, निवेशकों के मनोबल में सुधार हुआ है और बाजार की स्थिरता की उम्मीद बढ़ी है।

अगले हफ्तों में वैश्विक आर्थिक हालात और घरेलू नीतिगत फैसलों पर नजर बनी रहेगी, जो बाजार के रुख को प्रभावित कर सकते हैं।

इंडस्ट्रियल एंड प्रूडेंशियल इन्वेस्टमेंट ने 110 प्रति शेयर फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की

- कंपनी ने डिविडेंड के लिए 19 अगस्त, 2025 को रिकॉर्ड तारीख घोषित की

नई दिल्ली ।

इंडस्ट्रियल एंड प्रूडेंशियल इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने शेयरधारकों के लिए खुशखबरी दी है। कंपनी ने प्रति इक्विटी शेयर 110 रुपये के फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है, जो कि 1100 प्रतिशत का डिविडेंड है। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह डिविडेंड टैक्स कटौती के बाद शेयरधारकों को दिया जाएगा। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 19 अगस्त, 2025 को रिकॉर्ड तारीख घोषित की है। इसका मतलब है कि जिन निवेशकों के पास इस तारीख तक कंपनी के शेयर होंगे, वे डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। इसके साथ ही कंपनी की वार्षिक आम बैठक 29 अगस्त को आयोजित की जाएगी, जिसमें इस डिविडेंड को अंतिम मंजूरी दी जाएगी। अगर एजीएम में डिविडेंड प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो कंपनी इसे मंजूरी मिलने के 30 दिनों के भीतर भुगतान कर देगी। शेयर बाजार में कंपनी के शेयर की कीमत भी मजबूत बनी हुई है। 14 अगस्त को बीएसई पर कंपनी के शेयर 6845.05 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुए, जो पिछले बंद भाव 6834.40 रुपये से 0.16 प्रतिशत अधिक है। पिछले एक महीने में इस शेयर में औसतन रोजाना 100 से कम यूनिक क्लाइंट्स ने कारोबार किया है। कंपनी का वर्तमान बाजार पूंजीकरण लगभग 1,147.12 करोड़ रुपये है। यह डिविडेंड कंपनी के सुदृढ़ वित्तीय प्रदर्शन का संकेत है और शेयरधारकों के लिए आकर्षक लाभ का अवसर प्रदान करता है। निवेशक अब 19 अगस्त की रिकॉर्ड तारीख और 29 अगस्त की एजीएम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जहां इस डिविडेंड को अंतिम रूप दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में बनेगा आईसीएआई उत्कृष्टता केंद्र

- जीएसटी स्लैब में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली।

भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) जम्मू-कश्मीर में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। यह घोषणा संस्थान की 445वीं परिषद बैठक के दौरान की गई। बैठक में आईसीएआई अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने कहा कि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बावजूद परिषद की उपस्थिति दृढ़ता और एकता का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार और आईसीएआई राज्य में शिक्षा, प्रशिक्षण और वित्तीय कौशल निर्माण के क्षेत्र में सहयोग कर सकते हैं। आईसीएआई ने स्पष्ट किया कि यह केंद्र अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। वहीं केंद्र सरकार जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। सरकार पेट्रोल और डीजल को भी जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही है। यह सुधार उपभोग को बढ़ावा देने, महंगाई कम करने और आर्थिक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आईआरबी इंफास्ट्रक्चर ने पहली तिमाही में मुनाफे में 44.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की

- मजबूती का मुख्य कारण टोल कलेक्शन में वृद्धि

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी हाईवे विकास कंपनी आईआरबी इंफास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा इस तिमाही में 202.4 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 140 करोड़ रुपये से 44.6 प्रतिशत अधिक है। इस मजबूती का मुख्य कारण टोल कलेक्शन में वृद्धि को बताया गया है। आईआरबी और उसके प्राइवेट आईएनवीआईटी ने इस तिमाही में टोल से कुल 1,680 करोड़ रुपये की आय हासिल की, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 1,555 करोड़ रुपये से लगभग 8 प्रतिशत ज्यादा है। कुल आय भी 13 प्रतिशत बढ़कर 2,099 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल 1,853 करोड़ रुपये थी। ऐ बिडेटा में भी 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 952 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, मार्जिन पिछले साल के 46.25 प्रतिशत से थोड़ा कम होकर 45.35 प्रतिशत रहा। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 7 प्रतिशत का अंतरिम डिविडेंड यानी 0.07 रुपये प्रति शेयर घोषित किया है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 29 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है और डिविडेंड का भुगतान 12 सितंबर 2025 तक किया जाएगा।

आईआरबी का ऑपरेशन और मेंटेनेंसऑर्डर बुक भी मजबूत रहा और यह 30,900 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें प्राइवेट आईएनवीआईटी से पब्लिक आईएनवीआईटी में एसेट ट्रांसफर के बाद करीब 3,100 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी शामिल है। कंपनी के सीएमडी ने कहा कि 80,000 करोड़ रुपये के मजबूत एसेट बेस के चलते कंपनी को टोल ग्रोथ में फायदा हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की मजबूत जीडीपी ग्रोथ और सरकार के पीपीपी मॉडल पर जोर से आईआरबी आगामी प्रोजेक्ट्स के जरिए नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए तैयार है।

बिहार में उद्योग लगाने बड़ा आर्थिक पैकेज दिया जाएगा: नीतीश

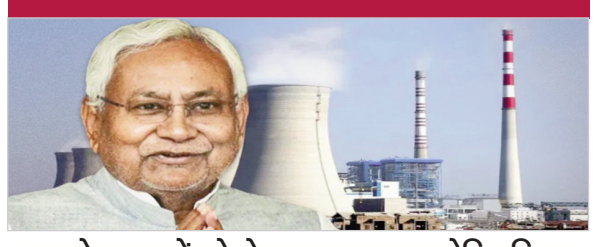

1 करोड़ युवाओं को रोजगार का लक्ष्य घोषित किया

नई दिल्ली ।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जन्माष्टमी के मौके पर नई आर्थिक पहल की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अब बिहार में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। इसका मकसद राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देना और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया कि सरकार द्वारा कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी और जीएसटी प्रोत्साहन राशि को दोगुना करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा, उद्योग स्थापित करने के लिए सभी जिलों में जमीन की व्यवस्था की जाएगी। जो उद्योग ज्यादा रोजगार देंगे, उन्हें मुफ्त में भी जमीन दी जाएगी। राज्य सरकार उद्योगों के लिए आवंटित भूमि से जुड़ी विवादों को खत्म करने के लिए भी कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सभी सुविधाएं अगले छह महीने के भीतर लागू कर दी जाएंगी। इसके अलावा, और भी कई प्रावधान किए गए हैं जो उद्यमियों के लिए मददगार साबित होंगे। यह योजना बिहार में आर्थिक विकास को गति देने के साथ-साथ युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगी। नीतीश कुमार ने यह भी बताया कि 2020 में 'सात निश्चय-2' योजना के तहत 50 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। अब सरकार अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है।

इस पहल के तहत स्वरोजगार और उद्योग लगाने वालों को कई प्रकार की सहूलियतें दी जाएंगी, जिससे राज्य में रोजगार के व्यापक अवसर पैदा होंगे। यह कदम बिहार को उद्योग के मामले में आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

केंद्र सरकार ने बढ़ाया मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड

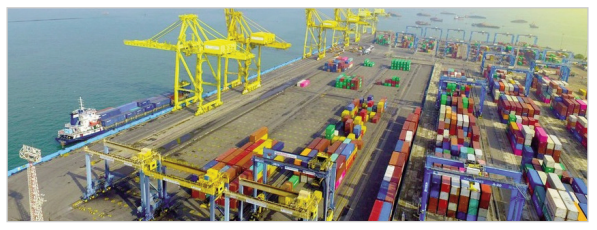

समुद्री क्षेत्र को मिलेगा 70,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड (एमडीएफ) को 70,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का फैसला किया है। यह राशि फरवरी में घोषित राशि से लगभग 2.8 गुना अधिक है। इस फंड का उद्देश्य जहाज निर्माण, मरम्मत, सहायक उद्योगों, शिपिंग टनेज बढ़ाने और बंदरगाहों के ढांचे का विकास करना है। वित्त मंत्रालय की व्यय वित्त समिति ने इस फंड को मंजूरी दे दी है और जल्द ही कैबिनेट की भी अनुमति मिलने की संभावना है।

इस फंड में 49 प्रतिशत राशि सरकार और सरकारी बंदरगाहों की ओर से रियायती पूंजी के रूप में आएगी, जबकि बाकी 51 प्रतिशत पूंजी बहुपक्षीय और द्विपक्षीय कर्जदाताओं तथा सॉवरेन फंड्स से जुटाई जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस फंड की घोषणा करते हुए कहा था कि यह समुद्री क्षेत्र की पूरी वैल्यू चेन को लंबी अवधि के लिए सस्ती पूंजी उपलब्ध कराएगा। अनुमान है कि 2030 तक यह फंड 1.3 से 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश और 11 लाख नौकरियों का सृजन करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, भारत को 2047 तक समुद्री क्षेत्र में 885 से 940 अरब डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी। इसमें शिपिंग टनेज बढ़ाने, ग्रीन जहाजों, अगली पीढ़ी के बंदरगाहों और वैश्विक जहाज निर्माण हब बनाने जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत का लक्ष्य 2030 तक जहाज निर्माण में विश्व के टॉप-10 और 2047 तक टॉप-5 देशों में आना है। हाल ही में संसद ने मर्चेंट शिपिंग बिल, कोस्टल शिपिंग बिल और इंडियन पोर्ट्स बिल जैसे महत्वपूर्ण कानून पारित किए हैं। इसके अलावा, उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए भी 5,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं घोषित की गई हैं, जिनमें अंतर्देशीय जलमार्ग और नए कार्गो टर्मिनल शामिल हैं। यह कदम भारत के समुद्री क्षेत्र को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

ट्रंप का बड़ा ऐलान- सेमीकंडक्टर पर 300 फीसद तक टैरिफ लगाने की तैयारी

- ट्रंप ने कहा कि उन कंपनियों को राहत दी जाएगी जो अमेरिका में उत्पादन करेंगी

नई दिल्ली ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह अगले दो हफ्तों में सेमीकंडक्टर (चिप्स) पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, मैं अगले हफ्ते और उसके बाद टैरिफ लगाऊंगा। स्टील पर और चिप्स-चिप्स और सेमीकंडक्टर पर। उन्होंने यह भी कहा कि टैरिफ 100 फीसदी ही नहीं, बल्कि 200 या 300 फीसदी तक हो सकता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने स्टील को लेकर गलती से कहा या नहीं, क्योंकि जून में ही वह स्टील और एल्युमिनियम पर 50 फीसदी तक ड्यूटी बढ़ा चुके हैं। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि चिप्स और फार्मास्यूटिकल सेक्टर पर टैरिफ लगाया जाएगा, लेकिन अब तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई थी। इन सेक्टरों की जांच अप्रैल से वाणिज्य विभाग कर रहा है ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर टैरिफ लगाया जा सके। ट्रंप ने कहा कि उन कंपनियों को राहत दी जाएगी जो अमेरिका में उत्पादन करेंगी। हाल ही में ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टिम कुक से मुलाकात के दौरान यह स्पष्ट किया कि अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग लाने वाली कंपनियों को छूट मिलेगी। एप्पल पहले ही अमेरिका में 600 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा कर चुका है। ट्रंप रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में शिखर बैठक के लिए रवाना हो रहे थे जब उन्होंने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि रूस के साथ व्यापार तभी संभव होगा जब यूक्रेन युद्ध का हल निकलेगा, नहीं तो रूस पर और कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संजू सैमसन, रिंकू सिंह और तिलक वर्मा बाहर, जानिए एशिया कप 2025 के लिए चुनी गई इस टीम में किन्हें मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 की टीम का बीसीसीआई द्वारा आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन क्रिकेट जगत में चर्चा छिड़ चुकी है। पूर्व भारतीय स्पिन गेंदबाज और वर्ल्ड कप विजेता हरभजन सिंह ने अपनी पसंदीदा टीम का ऐलान किया है। इस टीम में कई बड़े नामों को जगह नहीं मिली है जबकि कुछ नए और युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। खासकर विकेटकीपिंग में हरभजन के फैसले ने सभी को हैरान कर दिया है।

संजू सैमसन, रिंकू सिंह और तिलक वर्मा को टीम से बाहर किया गया

हरभजन सिंह की चुनी हुई टीम में संजू सैमसन, जो पिछले कुछ समय से विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें जगह नहीं मिली है। इसके साथ ही रिंकू सिंह और तिलक वर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल नहीं किया गया। ये फैसले क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाले हैं क्योंकि ये खिलाड़ी आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में छाए हुए हैं।

विकेटकीपर की भूमिका पर बड़ा फैसला

- केएल राहुल या ऋषभ पंत?

हरभजन सिंह ने टीम में विकेटकीपिंग के लिए ऋषभ पंत और केएल राहुल में से किसी एक को चुनने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम में दोनों को शामिल नहीं किया जाएगा। यह बात खासतौर पर इसलिए भी अहम है क्योंकि संजू सैमसन को इस भूमिका से बाहर किया गया है। भज्जी के अनुसार, ÷केएल राहुल एक शानदार विकल्प हो सकते हैं और पंत या राहुल में से किसी एक को ही टीम में होना चाहिए।'

गेंदबाजी विभाग में बदलाव, मोहम्मद सिराज को मिला मौका

टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह को जरूर जगह मिली है। इसके साथ ही अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज को भी टीम में चुना गया है। यह बात खास है कि मोहम्मद सिराज को इस बार मोहम्मद शमी और हर्षित राणा से ऊपर रखा गया है। ये चयन दर्शाता है कि हरभजन सिंह ने गेंदबाजी में युवा और फॉर्म में चल रहे खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है।

स्पिन विभाग में कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रियान पराग को मौका

स्पिन गेंदबाजी में हरभजन ने कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को टीम में शामिल किया है। इसके साथ ही रियान पराग को भी जगह दी गई है, जो कई फैंस के लिए आश्चर्यजनक फैसला माना जा रहा है क्योंकि यह उनका पहला बड़ा टूर्नामेंट होगा।

शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे दिग्गजों को मिला मौका

टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान और आईपीएल 2025 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शुभमन गिल को भी टीम में चुना गया है। हरभजन ने गिल की स्थिरता और क्षमता की तारीफ करते हुए कहा, ÷गिल इस फॉर्मेट में अच्छे से खेलने वाले बल्लेबाज हैं जो सिर्फ छक्के-चौके ही नहीं बल्कि पारी को नियंत्रित भी कर सकते हैं।÷ इसके अलावा श्रेयस अय्यर को भी टीम में शामिल किया गया है जो बल्लेबाजी के मध्यक्रम को मजबूत करेंगे।

हरभजन सिंह की चुनी हुई टीम की सूची

ओपनर: यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल

मिडिल ऑर्डर: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, श्रेयस अय्यर, वाशिंगटन सुंदर

विकेटकीपर: केएल राहुल या ऋषभ पंत

स्पिन ऑलराउंडर: रियान पराग, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल

गेंदबाज: जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज

बीसीसीआई के आधिकारिक ऐलान का इंतजार

भारत का पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ होना है। बीसीसीआई के 19 अगस्त को टीम के आधिकारिक ऐलान की संभावना है। तब तक हरभजन की चुनी हुई टीम फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी रहेगी।

मैकुलम के आने से क्रिकेट के प्रति कैसे बदला नजरिया, जो रूट ने किया खुलासा

केर्न्स (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। लंदन (यूके) ÷ इंग्लैंड के करिश्माई खिलाड़ी जो रूट ने बताया कि मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने उनकी खेल शैली पर क्या प्रभाव डाला, जिससे उनके बल्लेबाजी करियर में नई जान आ गई। 2017 से 2022 तक चले रूट के कप्तानी कार्यकाल के दौरान उनके शानदार फॉर्म में न रहने के कारण शतकों का सिलसिला कम होने लगा था। अपने नेतृत्व काल के दौरान रूट ने 64 टेस्ट मैचों में 46.44 की औसत से 14 शतक बनाए और 5295 रन बनाए। रूट की गिरावट का असर टीम में दिखाई देने लगा।

कप्तान के रूप में अपने अंतिम 17 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड को केवल एक जीत मिली थी क्योंकि टीम कोविड-19 महामारी के दौर से गुजर रही थी। उथल-पुथल और कुछ मौकों पर शानदार प्रदर्शन से भरे एक कार्यकाल के बाद मैकुलम अपनी 'बॉजबॉल' के साथ आए और बेन स्टोक्स को टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया। मैकुलम ने रूट की किस्मत बदल दी। केवल 41 मैचों में उन्होंने 58.00 के बेहतर औसत से 14 शतक जड़े और 3654 रन बनाए। रूट के अनुसार उन्होंने तकनीकी पहलू पर अड़े रहने के तरीके को खारिज कर दिया है और अपना ध्यान अपने खेल को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने पर केंद्रित कर दिया है।

रूट ने कहा, 'बॉज के साथ काम करने से खेल को देखने का मेरा नजरिया बदल गया है। मैं अब तकनीकी रूप से कमजोर हो गया हूं, और खेल को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने और समस्याओं को सुलझाने के तरीके ढूंढने में ज्यादा ध्यान देने लगा हूं। चीजों को देखने का एक बिल्कुल अलग नजरिया रखने वाले

किसी व्यक्ति का आना और मेरे खेल में काफी योगदान देना, मेरे लिए बहुत ही ताजगी भरा अनुभव रहा है। वह शानदार रहे हैं।'

158 टेस्ट मैच, 13,543 रन और 39 शतकों के बावजूद, रूट अभी भी अपने खेल को निखारने की चाहत रखते हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर होने के बावजूद वह महान सचिन तेंदुलकर के बाद इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब हैं, लेकिन रूट उस उपलब्धि को तोड़ने की इच्छा से प्रेरित नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर मेरी प्रेरणा यही है कि क्या आप लगातार विकास करते रह सकते हैं। क्या आप अपने प्रतिद्वंदियों से आगे रहने के तरीके खोज सकते हैं? क्या आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप स्थिर न रहें और नीरस न हो जाएं? क्या मैं रचनात्मक बना रह सकता हूं? क्या मैं सुधार के तरीके खोज सकता हूं और यह सुनिश्चित कर सकता हूं कि मैं जो अच्छा कर रहा हूं, वह कम से कम उसी स्तर पर बना रहे?' रूट का अगला टेस्ट मैच इंग्लैंड के चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट की सबसे पुरानी प्रतिद्वंदिता एशेज में होगा जो 21 नवंबर से शुरू होने वाली है।

तेजस्वी दहिया के तूफानी अर्धशतक से साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की रोमांचक जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग सीजन 2 के एक रोमांचक मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 3 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस वर्षा बाधित मैच में गीली आउटफील्ड के चलते 16-16 ओवर का कर दिया गया था। सुपरस्टार्स के लिए यह जीत बेहद अहम रही क्योंकि मौजूदा सीजन की शुरुआत टीम के लिए अच्छी नहीं रही थी। 140 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरस्टार्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले पांच ओवरों में ही तीन विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान आयुष बडोनी भी शामिल थे। 10वें ओवर में सेट बल्लेबाज अनमोल शर्मा के आउट होने के बाद स्थिति और मुश्किल हो गई। उस समय टीम को 6 ओवरों में 70 से ज्यादा रन चाहिए थे।

ऐसे दबाव भरे हालात में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने आए तेजस्वी दहिया ने शानदार पलटवार किया। उन्होंने महज 30 गेंदों में नाबाद 70 रन ठोकते हुए मैच का रुख पलट दिया। उनकी पारी में 4 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आखिरी ओवर में जब 7 रन की जरूरत थी, तब तेजस्वी ने लगातार दो गेंदों पर दो गगनचुंबी छक्के जड़कर टीम को नाटकीय जीत दिला दी। सुमित कुमार बेनीवाल ने भी 7 गेंदों में 19 रनों की तेजतर्रार पारी खेली और तेजस्वी का अच्छा साथ दिया। गेंदबाजी में आउटर दिल्ली वॉरियर्स के सुयश शर्मा और अंशुमन हूडा ने दो-दो विकेट झटके।

विराट का वीर जवानों भावुक संदेश हुआ सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में उत्सव का माहौल रहा और इस मौके पर भारतीय क्रिकेटरों ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज़ विराट कोहली ने इस दिन वीर जवानों के साहस और बलिदान को नमन किया और सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें भारतीय होने पर गर्व है। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संदेश साझा करते हुए कहा कि आज हम स्वतंत्रता में मुस्कुरा सकते हैं क्योंकि हमारे नायक अडिग साहस के साथ खड़े रहे। उन्होंने आगे लिखा कि हम अपने नायकों के बलिदानों को इस खुशी के स्वतंत्रता दिवस पर सलाम और सम्मान करते हैं और भारतीय होने पर गर्व है। विराट का यह संदेश देशभर के प्रशंसकों के दिल को छू गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।

विराट कोहली इन दिनों क्रिकेट से दूर हैं और फिलहाल लंदन में अभ्यास कर रहे हैं। वह आईपीएल के बाद से किसी मैच में नज़र नहीं आए हैं। कोहली ने कुछ समय पहले टी20 और टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है और अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज़ के दौरान एक बार फिर भारतीय जर्सी में मैदान पर उतरेंगे। इस अवसर पर अन्य खिलाड़ियों ने भी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। भारतीय मध्यक्रम बल्लेबाज़ श्रेयस अय्यर ने अपनी एक तस्वीर साझा की जिसमें वह बल्ला उठाकर दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते नज़र आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक और फोटो पोस्ट की जिसमें दर्शक तिरंगा लहराते हुए अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रहे थे। अय्यर ने इन तस्वीरों के साथ सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर और पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने भी सोशल मीडिया पर खास संदेश दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 401 मैचों में 953 विकेट लेने वाले कुंबले ने लिखा कि यह दिन स्वतंत्रता का जश्न मनाने और इसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों पर विचार करने का है। उन्होंने उन लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने रास्ता बनाया और सभी को गर्व और शांति से भरे स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

फीफा वर्ल्ड कप के लिए 30 लाख आवारा कुत्तों को मोरक्को में मारी जाएगी गोली!

रबात। जहां एक तरफ भारत में आवारा कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखने पर बहस चल रही है वहीं दूसरी ओर मोरक्को देश ने एक क्रूर फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोरक्को में 2030 के फीफा विश्व कप की तैयारियों के नाम पर करीब 30 लाख आवारा कुत्तों को मारने का प्लान बनाया है। इस खबर के सामने आने के बाद पूरी दुनिया में जानवरों के अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों और एनिमल लवर्स ने कड़ा विरोध किया है। मोरक्को सरकार की यह क्रूर योजना शहरों को साफ-सुथरा और व्यवस्थित करने के लिए बनाई गई है ताकि फीफा वर्ल्ड कप के दौरान आने वाले विदेशी मेहमानों को कोई परेशानी न हो। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन कुत्तों को ज़हर देकर, गोली मारकर या करंट लगाकर मारा जा रहा है। कुछ मामलों में तो उन्हें अमानवीय तरीकों से शेल्टर होम्स में रखकर भी मारा जा रहा है। यह खबर सामने आने के बाद दुनिया की जानी-मानी जानवर संरक्षण कार्यकर्ता जेन गुडॉल ने फीफा महासचिव को पत्र लिखकर इस पर रोक लगाने की मांग की है।

जैकब बेथेल तोड़ेंगे 136 साल पुराना रिकॉर्ड, बनेगें इंग्लैंड के सबसे युवा कप्तान

नई दिल्ली। इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल इतिहास रचने के करीब हैं। उन्हें आयरलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड का कप्तान नियुक्त किया गया है। जैसे ही वह 17 सितंबर को पहले टी20 मैच में मैदान पर उतरेंगे, वह इंग्लैंड क्रिकेट के 136 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ देंगे और अपनी टीम के सबसे युवा कप्तान बन जाएंगे। इससे पहले इंग्लैंड के सबसे युवा कप्तान का रिकॉर्ड मोंटी बोडेन के नाम था, जिन्होंने 1889 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में कप्तानी की थी। उस समय उनकी उम्र 23 वर्ष थी और उन्होंने बीमार कप्तान ऑब्रे स्मिथ की जगह टीम की बागडोर संभाली थी। अब 21 वर्षीय बेथेल यह रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने वाले हैं। बेथेल ने अब तक इंग्लैंड के लिए 13 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 154.39 की स्ट्राइक रेट से 281 रन बनाए हैं और चार विकेट भी झटके हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी के कारण वह टीम प्रबंधन की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। इस सीरीज के लिए इंग्लैंड ने कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है। नियमित कप्तान हैरी ब्रुक भी टीम का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि वह सितंबर की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में टीम का नेतृत्व करेंगे। ऐसे में बेथेल को कप्तान बनाकर इंग्लैंड ने युवाओं पर भरोसा जताया है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा कि जैकब बेथेल ने हाल के दिनों में अपनी नेतृत्व क्षमता से सभी को प्रभावित किया है। आयरलैंड के खिलाफ यह सीरीज उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कप्तानी कौशल को और निखारने का शानदार अवसर देगी।

जर्मन पुरुष टीम ने हॉकी विश्व कप 2026 के लिए किया क्वालीफाई

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड) (एजेंसी)। जर्मनी ने यूरो हॉकी चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में पहुंचने के साथ ही आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। फाइनल में जर्मनी का सामना नीदरलैंड्स से होगा, लेकिन मेजबान होने के नाते, नीदरलैंड्स ने आगामी विश्व कप में अपनी जगह पहले ही पक्की कर ली है, जिससे जर्मनी को यूरोप से हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई स्थान मिल जाएगा।

जर्मनी ने अपने यूरो हॉकी अभियान की शुरुआत, अपने घरेलू मैदान, मोंचेंग्लाडबाक में, पूल बी में फ्रांस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले से की। फ्रांस मैच के अंतिम दस मिनट तक दो गोल की बढ़त बनाए हुए था, लेकिन जस्टस वीगैंड के दो और गोंजालो पेइलाट के एक गोल की बदौलत मेजबान टीम ने वापसी की और पूरे तीन अंक हासिल कर लिए। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 से कड़ा मुकाबला ड्रॉ रहा, जिससे जर्मनी पूल बी में मजबूत स्थिति में आ गया।

पोलैंड के खिलाफ अपने आखिरी पूल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए, जिसे उन्होंने 10-0 से जीता, होनामास ने पूल में दूसरे स्थान पर रहे फ्रांस से आगे रहते हुए

सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी का मुकाबला स्पेन से हुआ। लगभग एक महीने पहले स्पेन ने बर्लिन में सीजन के आखिरी दो मैचों में होनामास को जीत से वंचित करके एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के अंत में जर्मनी को पछाड़कर विश्व कप क्वालीफिकेशन में जगह बनाई थी। हालांकि इस बार जर्मनी ने रेड स्टिक्स पर बाजी पलट दी।

होनामास पूरे मैच में बढ़त बनाए रहे और पहले क्वार्टर में दो गोल दागे। हालांकि दूसरे क्वार्टर में उन्होंने एक गोल गंवाया - जिससे हाफ-टाइम तक स्कोर 2-1 हो गया - उन्होंने आखिरी क्वार्टर में स्कोरशीट पर तीसरा और चौथा गोल भी जोड़ दिया, जिससे स्पेन को वापसी का कोई मौका नहीं मिला।

एफआईएच के प्रमुख आयोजन के लिए जर्मनी के क्वालीफिकेशन पर टिप्पणी करते हुए जस्टस वीगैंड ने कहा, 'विश्व कप के लिए क्वालीफाई करके निश्चित रूप से बहुत खुशी हुई। स्पेन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच के बाद हम थोड़े निराश थे। आज रात अपने घरेलू दर्शकों के सामने, यह मैच जीतना और विश्व कप और यूरो हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल, दोनों के लिए क्वालीफाई करना एक विशेष एहसास है। उम्मीद है कि हम नीदरलैंड के खिलाफ फाइनल जीतेंगे।'

जर्मनी FIH हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करने वाली छठी पुरुष टीम बन गई है। इस आयोजन के मेजबान होने के कारण, बेल्जियम और नीदरलैंड को सीधे क्वालीफिकेशन प्राप्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया और स्पेन ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग के पिछले दो संस्करणों के माध्यम से क्वालीफाई किया था। अर्जेंटीना ने हाल ही में पैन अमेरिकन कप जीतकर अपनी क्वालीफिकेशन पक्की की। आने वाले महीनों में एशिया, अफ्रीका और ओसनिया में होने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप इस आयोजन के लिए तीन और सीधे क्वालीफायर तय करेंगी, जबकि शेष सात टीमें 2026 में एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के माध्यम से क्वालीफाई करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान सिम्पसन का निधन, भारतीय टीम को दी थी कोचिंग

-अपना डेब्यू टेस्ट मैच 1957 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बॉब सिम्पसन का शनिवार को सिडनी में निधन हो गया। सिम्पसन की उम्र 89 साल थी। सिम्पसन का योगदान बतौर खिलाड़ी, कप्तान और कोच तीनों भूमिकाओं में शानदार रहा। सिम्पसन उन क्रिकेटर्स में शामिल थे जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को मुश्किल दौर से बाहर निकालकर वर्ल्ड क्लास टीम बनाया। साल 1999 के वनडे वर्ल्ड कप में सिम्पसन भारतीय टीम के साथ कंसल्टेंट के तौर पर जुड़े थे। बॉब सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 62 टेस्ट मैचों में 46.81 की औसत से 4869 रन बनाए, जिसमें 10 शतक और 27 अर्धशतक लगाए। सिम्पसन ने साल 1964 में मैनचेस्टर टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 311 रनों की पारी खेली। यह एशेज इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक है। सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो वनडे मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने 36 रन बनाए। सिम्पसन शानदार स्लिप फील्डर और उपयोगी लेग स्पिनर भी थे। सिम्पसन ने टेस्ट में 71 और ओडीआई में 2 विकेट झटके। बॉब सिम्पसन ने 1968 में संन्यास ले लिया था, लेकिन कैरी पैकर वर्ल्ड सीरीज के दौर में ऑस्ट्रेलिया टीम को संभालने के लिए वह दोबारा मैदान में लौटे और टीम की कप्तानी भी की। बॉब सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना डेब्यू टेस्ट मैच दिसंबर 1957 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में खेला था। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच अप्रैल 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्स्टन में खेला, जो उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी मुकाबला था। बॉब सिम्पसन ने 39 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया टीम की कप्तानी की। इस दौरान कंगारू टीम ने 12 टेस्ट मैच जीते और इतने ही मैच हारे भी। सिम्पसन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 15 टेस्ट मैच ड्रॉ भी कराए। सिम्पसन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने दो वनडे मुकाबले खेले, जिसमें उसे एक में जीत और एक में हार मिली।

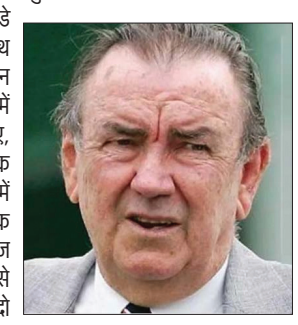

क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद बॉब सिम्पसन ने कोचिंग को अपना करियर बनाया। 1986 में ऑस्ट्रेलिया टीम के हेड कोच का पद संभालने के बाद बॉब सिम्पसन ने युवा टीम में नई जान फूंक दी। कप्तान एलन बॉर्डर और कोच सिम्पसन की जोड़ी के दम पर 1987 में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वनडे वर्ल्ड कप जीता। फिर 1989 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज जीती, साथ ही 1995 में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसकी धरती पर टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की। उनकी कोचिंग में ही स्टीव वॉ, शेन वॉर्न और ग्लेन मैक्ग्रा जैसे क्रिकेटर्स निखरकर सामने आए। बॉब सिम्पसन को साल 1965 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। बाद में उन्हें आईसीसी हॉल ऑफ फेम और ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। सिम्पसन को हमेशा उस क्रिकेटर और कोच के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने टीम को बिखरने से बचाया और जीत की राह आसान की।

सीनियर खिलाड़ियों की सैलरी में कटौती करेगा पीसीबी... बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के नाम शामिल

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निराशाजनक प्रदर्शन का खामियाजा खिलाड़ियों को भुगतना पड़ सकता है। दरअसल रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सीनियर खिलाड़ियों की सैलरी में कटौती करने की तैयारी में है। इसमें कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बोर्ड खिलाड़ियों के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से उस हिस्से को हटाने की तैयारी में है, जिसमें आईसीसी के राजस्व का 3 प्रतिशत हिस्सा जोड़ा गया था। यह व्यवस्था करीब दो साल पहले टीम के सीनियर खिलाड़ियों के दबाव में लागू की गई थी। पाकिस्तान टीम का इस साल का प्रदर्शन बेहद बेकार रहा है। टीम ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से केवल एक में जीत दर्ज की है। वनडे क्रिकेट में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की हालात और भी खराब है। पाकिस्तान ने इस साल 11 वनडे खेले हैं, जिसमें से सिर्फ दो ही जीत सकी है। वहीं, टी20 क्रिकेट में भी टीम का संतुलन बिगड़ा रहा।

सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे को मिली अंतिम मंजूरी

कोलकाता (एजेंसी)। अर्जेंटीना के सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे को अंतिम मंजूरी मिल गई है और उनके तीन दिवसीय दौरे का आगाज 12 दिसंबर को कोलकाता से होगा। इस कार्यक्रम के प्रमोटर सतादु दत्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मेस्सी के दौरे 'जीओएटी टूर आफ इंडिया 2025' का पहला पड़ाव कोलकाता होगा जिसके बाद वह अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली जाएंगे। यात्रा का समापन 15 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात के साथ होगा।

यह 2011 के बाद मेस्सी की पहली भारत यात्रा होगी। उस समय वह वेनेजुएला के खिलाफ यहां साल्ट लेक स्टेडियम में फीफा का मैत्री मैच खेलने आए थे। दत्ता ने कहा, 'मुझे पुष्टि मिल गई है और उसके बाद ही मैंने इसकी घोषणा (सोशल मीडिया पर) की। मेस्सी 28 अगस्त से एक सितंबर के बीच इसे पोस्ट कर सकते हैं। इसमें आधिकारिक पोस्टर और दौरे की जानकारी होगी।'

दत्ता ने इस साल की शुरूआत में मेस्सी के पिता से मुलाकात करके यह प्रस्ताव रखा था। मेस्सी ने अपने आवास पर उनसे मुलाकात करके 45 मिनट तक बात की। दत्ता ने कहा, 'मैंने उन्हें पूरे कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने आने का वादा किया था।' मेस्सी के साथ इंटर मियामी के रौड्रिगो डि पॉल, लुई सुआरेज, जोर्बी अल्बा और सर्जियो बस्केट्स भी आ सकते हैं। मेस्सी हर शहर में बच्चों के साथ मास्टरक्लास में भी भाग लेंगे।

दत्ता ने कहा, 'मेसी 12 दिसंबर को कोलकाता पहुंचेंगे और वहां दो दिन और एक रात रूकेंगे। वह 13 दिसंबर को मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम में भाग लेंगे। उनके लिए विशेष फूड और टी फेस्टिवल होगा जिसमें बंगाली मछली हिलसा, बंगाली मिठाई और असम चाय परोसी जाएगी। इसके बाद ईडन गार्डंस या साल्टलेक स्टेडियम पर जीओएटी कन्सर्ट और जीओएटी कप का आयोजन होगा। शहर में दुर्गापूजा के दौरान उनका 25 फुट ऊंचा और 20 फुट चौड़ा भित्तिचित्र भी रखा जाएगा जिस पर प्रशंसक अपने संदेश लिख सकेंगे। यह स्टेडियम में मेस्सी को उपहार में दिया जाएगा।'

वह प्रति टीम सात खिलाड़ियों का सॉफ्ट टच और सॉफ्ट बॉल मैच खेलेंगे जिसमें सौरव गांगुली, लिएंडर पेस, जॉन अब्राहम और बाईचुंग भूटिया भी होंगे। ईडन गार्डंस पर होने वाले इस आयोजन के लिए टिकट की न्यूनतम दर 3500 रुपए होगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें वहां सम्मानित कर सकती हैं। मेस्सी 13 दिसंबर की शाम को अहमदाबाद में अडाणी फाउंडेशन के निजी कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे जहां सीसीआई पर शाम 3.45 पर 'मीट एंट ग्रीट' कार्यक्रम होगा। इसके बाद वानखेड़े स्टेडियम पर 5.30 से जीओएटी कप और कन्सर्ट होगा। मुंबई में सीसीआई ब्रेबोर्न पर मुंबई पैडल जीओएटी कप होगा।

सूत्रों ने बताया कि शाहरूख खान और लिएंडर पेस पांच से दस मिनट तक मेस्सी के साथ यह मैच खेल सकते हैं। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ मेस्सी और सचिन तेंदुलकर, एम एस

धोनी और रोहित शर्मा के साथ जीओएटी कैप्टंस मोमेंट का आयोजन कर सकता है जिसमें रणवीर सिंह, आमिर खान और टाइगर श्राफ भी भाग लेंगे। मेस्सी 15 दिसंबर को दिल्ली आएंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। इसके बाद फिरोज शाह कोटला स्टेडियम पर दोपहर 2.15 से जीओएटी कप और कन्सर्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली जिला क्रिकेट संघ विराट कोहली और शुभमन गिल को भी न्योता देगा जो मेस्सी के बड़े प्रशंसक हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।

वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।

बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।

किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद हैं जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.

इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है. कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.

रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या

इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।

जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।

इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

समाधान

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।

मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुनः विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।

महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।

महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।

महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।

सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।

तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।

महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अतः इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।

ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।

उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।

राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।

महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।

कैसा समाधान मंत्री जी?

महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।

महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?

महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए। किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!

महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।

राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुनः विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।

महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।

जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।

जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।

तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

फिलाडेल्फिया में ब्रिंक ट्रक से 8 लाख डॉलर की लूट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फिलाडेल्फिया क्षेत्र में बख्तरबंद कैश ट्रकों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को एक एच मार्ट स्टोर के बाहर ब्रिंक कंपनी के ट्रक से दो हथियारबंद बदमाशों ने 7 से 8 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 6.6 करोड़ रुपये) लूट लिए। पुलिस के मुताबिक, दोनों लुटेरे एक एआर-15 जैसी राइफल और हैंडगन से लैस थे। लूट के बाद वे फरार हो गए और कुछ दूरी पर अपनी गाड़ी छोड़ दी। इस दौरान कोई गोलीबारी नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ।

ट्रंप प्रशासन की गर्भनिरोधक छूट नियम खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक संघीय अदालत ने बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में बनाए गए उस नियम को रद्द कर दिया, जिसमें नियोक्ताओं को धार्मिक या नैतिक आधार पर कर्मचारियों को गर्भनिरोधक बीमा कवर देने से छूट दी गई थी। यह फैसला फिलाडेल्फिया की डिस्ट्रिक्ट जज वेंडी बीटलस्टोन ने सुनाया। उन्होंने कहा कि 2018 के ये नियम उचित आधार पर नहीं टिकते और ट्रंप प्रशासन द्वारा पेश किए गए तर्क कमजोर हैं। सरकार ने दावा किया था कि ये नियम धार्मिक नियोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी हैं। बता दें कि यह मामला पेंसिल्वेनिया और न्यू जर्सी राज्यों द्वारा दाखिल एक याचिका से जुड़ा था, जो 2020 में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने तकनीकी आधार पर नियम को सही ठहराया था लेकिन उसके वास्तविक औचित्य पर कोई टिप्पणी नहीं की थी।

टेक्सास में पहले ही दिन स्कूल बस हादसे का शिकार

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास में बुधवार को स्कूल खुलने के पहले ही दिन एक बड़ा हादसा हो गया। एक स्कूल बस, जिसमें 40 से ज्यादा छात्र सवार थे, एक ग्रामीण सड़क पर पलट गई। इस हादसे में कई छात्र घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम एक व्यक्ति की हालत नाजुक है, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, बस एक संकरी दो लेन की सड़क पर चल रही थी, जब वह अचानक दाईं ओर मुड़ गई और पलट गई। यह अभी साफ नहीं है कि बस किस वजह से सड़क से उतरी। जांच जारी है।घटनास्थल की वीडियो फुटेज में पीली रंग की स्कूल बस सड़क के किनारे पलटी हुई दिखी। बस की छत को नुकसान पहुंचा है और कई खिड़कियां टूट गई हैं। बस में कुल 42 बच्चे सवार थे। ड्राइवर सहित 12 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि गंभीर रूप से घायल व्यक्ति छात्र है या ड्राइवर।

पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस के जश्न में हवाई फायरिंग, 8 साल की बच्ची समेत 3 की मौत, 60 से ज्यादा घायल

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कराची में जश्न के दौरान हुई हवाई फायरिंग में 3 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में एक 8 बच्ची और एक बुजुर्ग शामिल हैं। इसके अलावा 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों मुताबिक, शहर के अलग-अलग इलाकों में 13 और 14 अगस्त की दरमियानी रात को लोग आजादी का जश्न मना रहे थे। कई जगहों पर लोगों ने हवाई फायरिंग की, जिससे बेगुनाह लोग निशाना बन गए। यह पहली बार नहीं है जब कराची में खुशी के मौके पर फायरिंग से लोगों की जान गई हो। जनवरी 2025 में ही शहर में फायरिंग की अलग-अलग घटनाओं में 42 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 5 महिलाएं भी शामिल थीं। 233 लोग घायल हुए थे, जिनमें से कई को आवारा गोलियां लगी थीं। इनमें से 5 लोगों की मौत डकैती के दौरान विरोध करने पर हुई, जबकि बाकी की मौत आपसी विवाद, दुश्मनी और हवाई फायरिंग के कारण हुई।

समानांतर सरकार गठन की कोशिश गलत

क्षेत्रीय शांति पर खतरा, सूडान संकट पर सुरक्षा परिषद

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। सूडान में चल रहे गृह युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत यूएनएससी ने सूडान के अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) द्वारा अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में समानांतर सरकार बनाने की योजना को सख्ती से खारिज कर दिया है। बुधवार को जारी बयान में यूएनएससी ने कहा कि यह कदम देश की अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा है और इससे गृहयुद्ध और गहराने का खतरा है।

इसको लेकर यूएनएससी ने एक कड़े बयान में कहा कि वह सूडान की संप्रभुता, स्वतंत्रता और एकता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही परिषद ने चेताया कि आरएसएफ द्वारा घोषित समानांतर सरकार देश को बांट सकती है और पहले से ही खराब मानवीय हालात को और बदतर बना सकती है।

यूएनएससी ने सभी देशों से की अपील : यूएनएससी ने किसी देश का नाम लिए बिना सभी देशों से सूडान में किसी भी तरह की बाहरी हस्तक्षेप से बचने और शांति प्रयासों में सहयोग देने की अपील की। परिषद ने कोरडोफन क्षेत्र में हालिया हमलों की भी निंदा की, जिनमें भारी संख्या में नागरिकों की मौत हुई। साथ ही सूडान की सरकार ने पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर कोलंबिया से लड़ाके भेजने और आरएसएफ को समर्थन देने का आरोप लगाया है। हालांकि यूएई ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है।

सूडान में तेजी से फैल रहा भुखमरी का संकट : सूडान में जारी गृह युद्ध के चलते देशभर में भुखमरी का संकट तेजी से फैल रहा है। मामले में यूएन के प्रवक्ता स्टेफन दुजारिक ने बताया कि डारफुर और पड़ोसी कोरडोफन क्षेत्र में भुखमरी का खतरा तेजी से फैल रहा है। लोग जानवरों के चारे और खाने के कचरे पर जीने को मजबूर हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अल-फशर में 2.5 लाख लोगों को डिजिटल कैश सहायता दी है लेकिन हालात बहुत गंभीर हैं।

आईसीसी और यूएन की चेतावनी : इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के अनुसार डारफुर में युद्ध अपराध हो रहे हैं। ऋस्त्र फिलहाल उत्तर डारफुर के अल-फशर को छोड़कर सभी क्षेत्रीय राजधानियों पर नियंत्रण बनाए हुए है। ह्रस्ष्ट ने ऋस्त्र से अल-फशर की घेराबंदी हटाने की पुरानी मांग भी दोहराई।

समझिए सूडान में संकट कब और कैसे शुरू हुआ? : बता दें कि सूडान में अप्रैल 2023 से हिंसक संघर्ष जारी है, जब देश की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच पुरानी रंजिशें राजधानी खार्तूम से शुरू होकर पूरे देश में फैल गईं। इस संघर्ष में अब तक लगभग 40,000 लोगों की मौत हो गई। वहीं 1.3 करोड़ लोग बेघर हो चुके हैं और लाखों भुखमरी के कगार पर हैं।

इसके बाद आरएसएफ ने जून के अंत में सूडान के पश्चिमी हिस्से डारफुर में अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में एक समानांतर सरकार का गठन करने की घोषणा की थी। इसी क्षेत्र में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों की अंतरराष्ट्रीय जांच चल रही है।

ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को चेतावनी दी : कहा- बातचीत के बाद जंग नहीं रोकी तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन जंग पर चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहा है कि अगर पुतिन शुक्रवार को होने वाली बातचीत के बाद भी जंग खत्म करने पर राजी नहीं होते हैं तो उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। उनका यह बयान बुधवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आया। ट्रम्प और पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले हैं। इसका मकसद यूक्रेन में साढे तीन साल से चल रही जंग को खत्म करना है। दोनों नेता पहली बार अमेरिका की जमीन पर मिलेंगे।

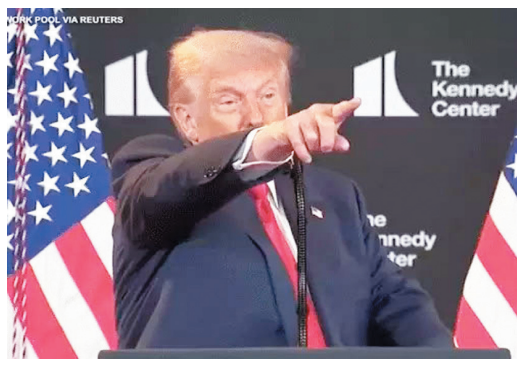

जेलेंस्की ने जंग खत्म करने के बदले जमीन देने से इनकार किया

ट्रम्प ने बुधवार को ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। इस मीटिंग में ट्रम्प ने कहा कि जंग को खत्म करने के लिए दोनों पक्षों को जमीन की अदला-बदली करनी पड़ सकती है। इस पर यूरोपीय नेताओं ने ट्रम्प को समझाने की कोशिश की कि 15 अगस्त को उनकी रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ होने वाली मुलाकात में ऐसा कोई समझौता न हो, जिससे यूक्रेन को नुकसान पहुंचे।

जेलेंस्की ने बैठक के दौरान कहा कि पुतिन धोखा दे रहे हैं। वो यह दिखावा कर रहे हैं कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का उन पर कोई असर नहीं पड़ रहा हैं और ये कारगर नहीं हैं। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डोनबास क्षेत्र की जमीन रूस को सौंपने के सवाल पर जेलेंस्की ने साफ कहा कि वे अपनी जमीन नहीं छोड़ रहे हैं। पहले युद्धविराम होना चाहिए और फिर सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए।

जेलेंस्की बोले- मेरी पोजिशन नहीं बदलेगी

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की जमीन के बारे में कोई भी फैसला बिना यूक्रेन की सहमति के नहीं हो सकता। मेरी पोजिशन नहीं बदलेगी। एक दिन पहले भी उन्होंने कहा था कि उनके पास अपनी देश की जमीन छोड़ने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा- पहले युद्धविराम होना चाहिए, फिर मजबूत सुरक्षा गारंटी दी जानी चाहिए। रूस को यूक्रेन के यूरोप या नाटो में शामिल होने की संभावनाओं पर वीटो लगाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि पुतिन शांति नहीं चाहते, वे यूक्रेन पर कब्जा करना चाहते हैं। पुतिन किसी को बेवकूफ नहीं बना सकते।

दरअसल, यूरोप और यूक्रेन को डर है कि ट्रम्प और व्लादिमीर पुतिन के बीच कोई ऐसा समझौता हो सकता है, जिससे रूस को यूक्रेन का करीब पांचवां हिस्सा मिल सकता है। इस बैठक में फिनलैंड, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली, पोलैंड, यूरोपीय यूनियन के नेता और नाटो महासचिव मार्क रूट भी मौजूद थे।

बाइडेन के बेटे के बयान पर भड़क गईं ट्रंप की पत्नी, एक अरब डॉलर का नोटिस थमाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पहली महिला और डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन को कड़ी चेतावनी देते हुए 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का मानहानि मुकदमा करने की धमकी दी है। मेलानिया का आरोप है कि हंटर ने उन पर और राष्ट्रपति ट्रंप पर झूठे और अपमानजनक बयान दिए हैं।

आपको बता दें कि हाल ही में यूट्यूब शो चैनल 5 विद एंड्रयू कैलाघन पर दिए एक इंटरव्यू में हंटर बाइडेन ने दावा किया कि जेफ्री एप्स्टीन ने मेलानिया से डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात करवाई। उनके बीच के कनेक्शन बहुत गहरे और व्यापक हैं। यह बयान सोशल मीडिया और कई डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल गया, जिससे मेलानिया की छवि को नुकसान पहुंचा।

मेलानिया ने दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी: मेलनिया की ओर से वकील अलेजांद्रो ब्रिटो ने 6 अगस्त को हंटर बाइडेन और उनके वकील एबी लोवेल को एक कानूनी नोटिस भेजा। नोटिस में कहा गया है कि हंटर बाइडेन अपने बयान तुरंत वापस लें, सार्वजनिक माफी जारी करें और संबंधित वीडियो को हटा दें। ऐसा नहीं करने पर 1 अरब डॉलर लगभग 8,300 करोड़ का मानहानि मुकदमा दायर किया जाएगा।

ब्रिटो ने लिखा, इन झूठे, अपमानजनक और भड़काऊ बयानों ने मेलानिया ट्रंप को वित्तीय और प्रतिष्ठा स्तर पर भी भारी नुकसान पहुंचाया है। वीडियो और इसमें किए गए दावे दुनियाभर में करोड़ों लोगों तक पहुंचे हैं। ब्रिटो ने यह भी आरोप लगाया कि हंटर का सोर्स सीरियल फैब्युलिस्ट माइकल वुल्फ हैं। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका में अगले राष्ट्रपति चुनाव के लेकर माहौल बनता दिख रहा है। ट्रंप और बाइडेन परिवार के बीच यह टकराव चुनावी बहसों और मीडिया कवरेज को और अधिक तीखा बना सकता है।

बेंजामिन नेतन्याहू के ग्रेटर इजरायल वाले बयान पर भड़के सऊदी समेत कई मुसलमान देश

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के एक बयान पर सऊदी अरब, सीरिया, लेबनान, इराक जैसे देश भड़क गए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में ग्रेटर इजरायल के विजन के साथ अपनी भावनाएं जुड़े होने की बात कही थी। इसी को लेकर विवाद हो रहा है क्योंकि ग्रेटर इजरायल की परिभाषा में कई बार यहूदी विद्वान सीरिया, जॉर्डन, इराक, सऊदी अरब और मिस्र को भी शामिल करते रहे हैं। इसके अलावा 1967 में जो 6 दिनों का युद्ध हुआ था, उसमें इजरायल ने गाजा, सिनाई, गोलान हाइट्स, पूर्वी येरूशलम और वेस्ट बैंक को जीच लिया था। इसे भी ग्रेटर इजरायल के रूप में मिलाकर पेश किया जाता रहा है।

यहूदी देश के दक्षिणपंथी विचारक अकसर इच्छा जताते रहे हैं कि गोलान हाइट्स, गाजा, वेस्ट बैंक समेत उन सभी इलाकों का इजरायल में विलय कर लिया जाए और उन पर हुकूमत रहे, जिन्हें 1967 में इजरायल ने जीता था। इस ग्रेटर इजरायल के नक्शे को :मैप ऑफ प्रॉमिस्ड लैंडः भी कहा जाता रहा है। नेतन्याहू के इस बयान पर सऊदी अरब, जॉर्डन, कतर और अरब लीग की ओर से तत्काल बयान जारी किया गया। इन बयानों में कहा गया कि नेतन्याहू की यह इच्छा क्षेत्रीय अशांति और अस्थिरता को पैदा करने वाली है। अब तक इस मामले में इजरायल की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेतन्याहू का बयान बेहद खतरनाक और उकसाने वाला है। हम ऐसे बयान को सिरे से खारिज करते हैं। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सुफयान कुदा ने कहा कि नेतन्याहू का बयान ऐसा है, जो क्षेत्र में हिंसा और अस्थिरता के चक्र को बढ़ावा देगा। इसके अलावा मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजरायल को इस पर सफाई देनी चाहिए। आखिर वह चाहता क्या है। मिस्र ने कहा कि ऐसे बयान तो क्षेत्र में पहले से चली आ रही अस्थिरता में और इजाफा करेंगे। इसके अलावा कतर ने कहा कि नेतन्याहू का यह बयान अहंकार से भरा है। वह इजरायल की विस्तारवादी नीति को आखिर कहां तक ले जाना चाहते हैं।

बेघर लोगों को वाशिंगटन से निकालेंगे राष्ट्रपति ट्रंप, इनकार करने पर जुर्माना या जेल, जबरन हटाने पर कई सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वाशिंगटन से बेघर लोगों को निकालने और दूसरी जगह बसाने की तैयारी कर रहे हैं। यदि कोई उनकी इस योजना से इनकार करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है या फिर उसे जेल की भी हवा खानी पड़ सकती है। हालांकि, कुछ वकीलों ने बेघर लोगों को शहर से जबरन हटाने पर सांविधानिक सवाल उठाए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन में कानून-व्यवस्था को संघीय सरकार के नियंत्रण में लिया जाएगा और अपराध पर सख्ती की जाएगी। इसी योजना के तहत वे बेघर लोगों को शहर से बाहर ले जाने का इरादा रखते हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप की योजना क्या है, इस बारे में अभी स्पष्ट नहीं है।

शिविरों को खाली कराने से हल नहीं होगी समस्या : वकीलों और अन्य लोगों का कहना है कि बेघर लोगों की समस्या को सिर्फ शिविरों को खाली करवाने से हल नहीं किया जा सकता है, और इसके लिए बेहतर तरीके मौजूद हैं। बेघर लोगों को कहां ले जाया जाएगा, ये अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं, वाशिंगटन में कितने बेघर लोग हैं, इसकी सटीक गणना प्राप्त करना मुश्किल है।

बेघर लोगों को तुरंत शहर छोड़ना होगा: ट्रंप : ट्रंप ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को अपनी सोशल मीडिया साइट पर लिखा, :बेघर लोगों को तुरंत शहर छोड़ना होगा। हम आपको रहने के लिए जगह देंगे, लेकिन राजधानी से दूर।:

मना करने वालों पर लग सकता है जुर्माना: लेविट : मंगलवार को प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने व्हाइट हाउस में एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित किया। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि बेघर लोगों को कहां स्थानांतरित किया जाएगा, तो उन्होंने जवाब दिया स्थानीय पुलिस और संघीय एजेंसियां पहले से मौजूद कानूनों को लागू करेंगी, जिन पर अब तक ध्यान नहीं दिया गया था।

उन्होंने बताया कि शहर के नियम के मुताबिक, पुलिस बेघर शिविरों को हटाने की कार्रवाई कर सकती है। बेघर लोगों को यह विकल्प दिया जाएगा कि वे शिविर छोड़कर किसी आश्रय गृह में जाएं और मानसिक स्वास्थ्य की सेवाएं लें। अगर वे मना करते हैं, तो उन पर जुर्माना लग सकता है या जेल भी हो सकती है।

बीते पांच महीनों में हटाए गए 70 बेघर शिविर : कैरोलिन लेविट ने बताया कि बीते पांच महीनों में, अमेरिकी पार्क पुलिस ने 70 बेघर शिविरों को हटा दिया है और वहां रहने वालों को भी यही विकल्प दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार तक, राष्ट्रीय उद्यान सेवा द्वारा संचालित जिला पार्कों में केवल दो बेघर शिविर बचे हैं, जिन्हें इसी हफ्ते हटा दिया जाएगा।

बेघरों के लिए और ज्यादा आश्रय उपलब्ध करा रहे जिला अधिकारी : वाशिंगटन के जिला अधिकारियों का कहना है कि वे बेघर लोगों के लिए और ज्यादा आश्रय स्थल उपलब्ध करा रहे हैं। यह इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि संघीय एजेंट शहर से बेघर लोगों को हटा देंगे। शहर के प्रशासक केविन डोनह्यू ने कहा कि आउटरीच कार्यकर्ता बेघर शिविरों का दौरा कर रहे हैं। उनके पास एक इमारत भी है, जहां जरूरत पड़ने पर 200 लोगों को रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह आउटरीच काम पूरे हफ्ते और भी तेजी से जारी रहेगा।

अमेरिका में भीषण हादसा, पिकअप ट्रक की दूसरे वाहन से भिड़ंत में 6 लोगों की मौत ; कई घायल

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका की सड़कों पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां मिशिगन के ग्रामीण इलाके में एक पिकअप ट्रक ने स्टॉप साइन की अनदेखी कर अमिश समुदाय के सदस्यों से भरी वैन से टक्कर मार दी, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार दोपहर टस्कोला काउंटी के गिलफोर्ड टाउनशिप में हुआ, जो डेट्रायट से लगभग 160 किलोमीटर उत्तर में है।

बता दें कि दोनों वाहनों में कुल 13 लोग सवार थे, जिनमें से 10 लोग वैन में थे। मामले में अमेरिकी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि कई यात्री दुर्घटना के कारण वैन और पिकअप से बाहर निकल गए। इस हादसे में अभीतक छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य घायल लोगों की हालत का पता नहीं चल सका है।

अंडरशेरिफ रॉबर्ट बैकस्टर ने बताया कि वैन में स्थानीय अमिश समुदाय के लोग थे और वैन में एक पेड ड्राइवर था। वे काउंटी के ही निवासी हैं, लेकिन वे कहां जा रहे थे या कहां से आ रहे थे, इसकी जानकारी नहीं है। इस हादसे में सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उनकी हालत अभी साफ नहीं है।

बता दें कि उत्तरी अमेरिका में रहने वाला एक ईसाई समूह अमिश समुदाय कहते है। इस समुदाय के लोग आमतौर पर घोड़े की गाड़ी से सफर करते हैं और अपनी खुद की गाड़ी या ट्रक नहीं चलाते। वे अपनी धार्मिक मान्यताओं के चलते आम समाज से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन गैर-अमिश ड्राइवर की गाड़ी में सफर करते हैं। उत्तर अमेरिका की अमिश आबादी का लगभग 61 प्रतिशत हिस्सा ओहायो, पेंसिलवेनिया और इंडियाना में रहता है, जबकि मिशिगन में भी उनकी अच्छी संख्या है।

किम जोंग उन की बहन ने खारिज किया दक्षिण कोरिया का दावा, कहा- सीमा से नहीं हटाए जा रहे लाउडस्पीकर

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरियाई तानाशाह की बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के दावों को खारिज कर दिया है। किम यो जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया अंतर-कोरियाई सीमा पर से कोई लाउडस्पीकर नहीं हटा रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया अपने कुछ लाउडस्पीकर हटा रहा है। इससे कुछ दिन पहले दक्षिण कोरिया ने भी सीमा पर लगे अपने लाउडस्पीकर हटा दिए थे।

किम यो जोंग ने कहा कि हमें अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ लंबे समय से रुकी वार्ता दोबारा शुरू करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया के प्रति शत्रुता का प्रमाण बताया। किम ने दक्षिण कोरियाई सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर कोरियाई लोगों ने सीमा क्षेत्र में लगे लाउडस्पीकरों को नहीं हटाया है और न ही वे उन्हें हटाने के लिए तैयार हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बाद उनकी बहन किम यो जोंग को बेहद ताकतवर माना जाता है। ऐसे में किम यो जोंग के बयान को उत्तर कोरियाई सरकार का आधिकारिक स्टैंड माना जा सकता है।

दक्षिण कोरिया ने शांति बहाली की जताई उम्मीद : इससे पहले दक्षिण कोरिया के नए उदारवादी राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने उत्तर कोरिया के कदम की सराहना की।

उन्होंने उम्मीद जताई कि कोरियाई देश धीरे-धीरे बातचीत और संचार को फिर से खोल सकेंगे। हालांकि किम यो जोंग के बयान को लेकर दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल ली सुंग जून ने कहा कि दक्षिण की सेना ने कुछ उत्तर कोरियाई लाउडस्पीकरों को हटाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने उत्तर कोरिया के बयानों से आसानी से प्रभावित न होने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, हमेशा से ऐसा होता रहा है कि उत्तर कोरिया अक्सर ऐसे दावे करता है जो सच नहीं होते।

हमें अमेरिका से बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं : किम यो जोंग ने कहा कि दक्षिण कोरियाई मीडिया कह रहा है कि उत्तर कोरिया रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाली बैठक के जरिये वॉशिंगटन को कड़ा संदेश दे सकता है।

हमें अमेरिका को संदेश क्यों भेजना चाहिए? उत्तर कोरिया को अमेरिका के साथ बातचीत में कोई रुचि नहीं है। वहीं उत्तर कोरिया और रूस की सरकारी मीडिया ने बुधवार को कहा कि किम जोंग उन और पुतिन ने फोन पर बातचीत कर अपने गहरे होते संबंधों और यूक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयासों पर चर्चा की।

पहले भी खारिज कर चुकीं अमेरिका और दक्षिण कोरिया का दावा : किम यो जोंग ने जुलाई में भी बयान जारी कर उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के उद्देश्य से कूटनीति को फिर से शुरू करने की वाशिंगटन और सियोल की इच्छा को खारिज कर दिया था।

हाल के महीनों में दक्षिण कोरियाई सीमा निवासियों ने शिकायत की है कि उत्तर कोरियाई लाउडस्पीकर दक्षिण कोरियाई दुष्प्रचार प्रसारणों के जवाब में जानवरों की चीखें और घंटियों की तेज आवाजें निकालते हैं। उत्तर कोरिया ने जून में अपने प्रसारण बंद कर दिए थे, जब ली ने युद्ध में विभाजित प्रतिद्वंद्वियों के बीच तनाव कम करने की दिशा में अपनी सरकार के पहले ठोस कदम के तहत दक्षिण कोरिया के प्रसारण को रोकने का आदेश दिया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)